आज का विचार

विश्वास यह कितना छोटा शब्द है पढ़ने में सेकेंड और सोचने में मिनट लगता है लेकिन जानने में पूरा दिन और साबित करने में जीवन लग जाता है।

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

पंचकूला । रविवार, 29 मार्च, 2026 | वर्ष 1, अंक 225, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: HRHIN/25/A2164 Established 2025 | www.citydarpan.com

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने सेना को सौंपी स्वदेशी प्रहार एलएमजी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज ने संयुक्त रूप से विकसित ह्यप्रहारह्ण 7.62 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) की 2,000 यूनिट भारतीय सेना को सौंप दी हैं। यह डिलीवरी 40 हजार से अधिक गनों के बड़े ऑर्डर का हिस्सा है और मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत तैयार की गई है।

केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार शनिवार को मध्यप्रदेश के ग्वॉलियर के बाहरी इलाके में स्थित अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स में एलएमजी सौंपने के लिए एक समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान रक्षा मंत्रालय के डीजी एक्विजिशन ए अनबरासु, कंपनी के सीईओ आशीष राजवंशी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्रालय ने बताया कि पहली खेप तय समय से 11 महीने पहले, केवल 7 महीनों में पूरी कर ली गई। प्रोडक्शन का पहला मॉडल भी 6 महीने में तैयार हो गया, जबकि इसके लिए 18 महीने का लक्ष्य रखा गया था। इसके बाद बड़े पैमाने पर उत्पादन की मंजूरी मिलने के साथ सप्लाई प्रक्रिया तेज हो गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मध्य प्रदेश के ग्वॉलियर में स्थित अदाणी डिफेंस की स्मॉल आर्म्स फैसिलिटी देश की पहली पूरी तरह इंटीग्रेटेड निजी क्षेत्र की स्मॉल आर्म्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है, जहां बैरल, बोल्ट कैरियर और रिसीवर निर्माण से लेकर एडवांस सीएनसी मशीनिंग, रोबोटिक्स, मेटलर्जी लैब और 25 मीटर की अंडरग्राउंड फायरिंग रेंज जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

इस यूनिट की उत्पादन क्षमता हर साल करीब 1 लाख हथियार बनाने की है, जिनमें 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से देश में ही तैयार किए जाते हैं। इससे विदेशी हथियारों पर निर्भरता कम होगी और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी। साथ ही, यह यूनिट क्षेत्र में रोजगार और एमएसएमई को भी बढ़ावा दे रही है। इस एलएमजी निर्माण में उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित अदाणी डिफेंस के एम्युनिशन कॉम्प्लेक्स भी सहयोग कर रहा है, जिसे 2024 में शुरू किया गया था। इस कॉम्प्लेक्स में हर साल करीब 30 करोड़ छोटे कैलिबर के गोला-बारूद बनाने की क्षमता है और भविष्य में इसे बड़े व मीडियम कैलिबर एम्युनिशन के लिए भी विकसित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि ह्यप्रहारह्ण 7.62७51 मिमी एलएमजी ओपन बोल्ट सिस्टम पर आधारित है और इसमें गैस पिस्टन व रोटेटिंग बोल्ट लॉकिंग सिस्टम दिया गया है। इसमें सेफ, सेमी-ऑटोमैटिक और ऑटोमैटिक फायरिंग मोड की सुविधा है। यह 120 राउंड के असॉल्ट ड्रम या बेल्ट फीड सिस्टम से लैस है और कठिन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन के लिए गैस रेगुलेटर दिया गया है। इसकी प्रभावी रेंज 1,000 मीटर है। बैरल की लंबाई 508 मिमी (20 इंच) और कुल लंबाई 1,100 मिमी है, जबकि वजन करीब 8 किलोग्राम है। हथियार में एडजस्टेबल बट स्टॉक, चीक रेस्ट, मजबूत बायपॉड और बैकअप आयरन साइट्स जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं।

हरियाणा में पैट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं : नायब सैनी

सीएम बोले- कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों पर होगी सख़्त कार्रवाई

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के लोगों को आश्वस्त किया कि मध्य -एशिया में बने हालातों के मद्देनजर राज्य में पैट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है, उनको घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पेट्रोलियम पदार्थों की कालाबाजारी तथा जमाखोरी करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई इस मामले में संलिप्त पाया गया तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के. मकरंद पांडुरंग, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय उपस्थित थे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मध्य एशिया में युद्ध की स्थिति के बीच कुछ लोग आवश्यक वस्तुओं की कमी होने का भ्रम फैला रहे हैं जबकि देश एवं प्रदेश में सब सामान्य है। उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि इससे आम जनता के लिए डीजल, पेट्रोल व गैस के दाम स्थिर बने रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी देश पर किसी भी प्रकार की आपदा आई है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा ₹राष्ट्र प्रथम₹ के दृढ़ संकल्प के साथ हर मोर्चे पर देशवासियों के साथ खड़े रहे हैं। चाहे कोरोना काल हो, अफगानिस्तान संकट हो या अन्य किसी प्रकार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ–हर बार उन्होंने देश की जनता को एकजुट किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने और भारतीय हितों की रक्षा के लिए अन्य देशों के सभी संबंधित नेताओं के संपर्क में हैं।

उन्होंने कहा कि ₹राष्ट्र प्रथम₹ और ₹भारतीय प्रथम₹ की इस नीति की पहली सफलता अपने नागरिकों को वापस लाने और अपने व्यापारिक हितों को स्ट्रेट ऑफ होरमुज से गुजारने के माध्यम से मिली थी और अब एक्साइज ड्यूटी में कटौती करके दुष्प्रभाव को कम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल व गैस की कोई कमी नहीं है। इसलिए लोगों को घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि आप घबराकर खरीदारी करने से बचें ताकि व्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

वर्तमान में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं इस संबंध में पेट्रोलियम कंपनियों के साथ बैठक की है। प्रदेश में पेट्रोल, डीजल व गैस की आपूर्ति की स्थिति इस समय भी वैसी ही है, जैसी 4 महीने पहले थी। वर्तमान में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य में कुल 4 हजार 32 सरकारी पेट्रोल पंप संचालित हैं, जहां प्रतिदिन औसतन 4 हजार 804 किलो लीटर पेट्रोल और 12 हजार 3 किलो लीटर डीजल की बिक्री हो रही है। उन्होंने आगे बताया कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा टर्मिनल संचालन बढ़ाया गया है। डिस्पैच तेज किए गए हैं, फील्ड अधिकारियों की तैनाती की गई है और सुबह के समय सप्लाई को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे स्थिति सामान्य है। उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश में रसोई गैस की स्थिति भी पूरी तरह संतोषजनक है। राज्य में प्रतिदिन लगभग 2 लाख सिलेंडर प्राप्त हो रहे हैं और लगभग 1 लाख 90 हजार सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। बॉटलिंग प्लांट्स पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और रिफिल के लिए शहरों में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन के नियम का पालन किया जा रहा है। कमर्शियल एल.पी.जी की आपूर्ति भी की जा रही है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अस्पतालों, स्कूलों और अन्य आवश्यक संस्थानों में गैस की किसी भी प्रकार की कमी न हो। श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि वर्तमान में, कुल 1 लाख 73 हजार कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है। केंद्र सरकार द्वारा कमर्शियल एल.पी.जी. के क्षेत्र में 70 प्रतिशत आवंटन ढांचा बनाया गया है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में घरेलू छ्ढत्र्क्की देश में की जा रही प्रोडक्शन को 40 प्रतिशत से बढ़ा दिया है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो जाए। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। गत 24 मार्च तक 928 एल.पी.जी. सिलेंडर व 4 वाहन कब्जे में लिए गए हैं, 66 आरोपियों की पहचान की गई है और 8 एफ.आई.आर दर्ज की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई गई है तथा अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश सरकार ने गैस की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने के लिए एक और अहम कदम उठाया है।

पश्चिम एशिया संकट से पूरा विश्व चिंतित, भारत मजबूती से कर रहा मुकाबला : मोदी

एजेंसी (हि.स.)
नोएडा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिमी एशिया संकट पर कहा कि आज पूरा विश्व चिंतित है। पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई देशों में खाने-पीने का सामान, पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद जैसी कई जरूरी चीजों का संकट पैदा हो गया है। हर देश इस संकट का सामना करने की कोशिश कर रहा है। हमारा भारत भी पूरी शक्ति से इसका मुकाबला कर रहा है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देशवासियों को धन्यवाद किया और कहा कि आपकी ताकत के भरोसे भारत इस चुनौती का पूरी ताकत से सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर वो कदम उठा रही है जिससे सामान्य परिवारों पर, हमारे किसानों पर इस संकट का बोझ न पड़े। संकट के इस समय में भी भारत ने अपने तेज विकास को जारी रखा है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों और राजनीतिक दलों से मिलकर इस संकट का सामना करने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आज जहां तक नजर पड़ रही है, वहां तक युवाओं का जोश दिखाई दे रहा है। आज जो काम हो रहा है, वह नई उड़ान भर रहा है। आज से उत्तर प्रदेश सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वाला राज्य बन गया है। मेरे लिए खुशी के दो कारण हैं। पहला, इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने का सौभाग्य भी मुझे मिला था और इसका उद्घाटन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। दूसरा, जिस उत्तर प्रदेश ने मुझे प्रतिनिधि बनाया, सांसद बनाया, उस उत्तर प्रदेश की पहचान के साथ इस भव्य एयरपोर्ट का नाम भी जुड़ गया है। यहां से दुनिया के लिए हवाई जहाज तो उड़ेंगे ही साथ ही उप्र भी नई उड़ान भरेगा। खास कर पश्चिम उप्र की जनता को बधाई। ये सारे प्रोजेक्ट उप्र के विकास के लिए डबल इंजन सरकार का शानदार उदाहरण हैं। सेमी कंडक्टर फैक्टरी, नमो भारत ट्रेन और अब यह जेवर एयरपोर्ट पूरी दुनिया को जोड़ रहा है।

समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि पहले सपा वालों ने नोएडा को लूट का एटीएम बना लिया था। आज वही नोएडा विकास का प्रतिरूप बन रहा है। इस एयरपोर्ट को अटल सरकार ने 2003 में मंजूरी दे दी थी। यहां मौजूद बहुत से लोगों का जन्म भी नहीं हुआ होगा। लेकिन एयरपोर्ट नहीं बना। कांग्रेस और सपा सरकारों ने इसकी नीव तक नहीं रखी। एयरपोर्ट फाइलों में ही दबा रहा। जब हमारी सारकार बनी तो शुरू में सपा की सरकार थी। जैसे ही दिल्ली के साथ उप्र में भी भाजपा-एनडीए की सरकार बनी, एयरपोर्ट की नींव रखी गयी और उद्घाटन भी हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साल 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे, आज 160 से अधिक एयरपोर्ट हो चुके हैं। अब महानगरों के अलावा, देश के छोटे-छोटे शहरों तक भी हवाई कनेक्टिविटी पहुंच रही है।

मैं और मेरा की भावना ही युद्धों का मूल कारण: मोहन भागवत

एजेंसी (हि.स.)
बेलगावी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में होने वाले अधिकांश युद्धों की जड़ मैं और मेरा की भावना है। उन्होंने यह बात कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिक्कोडी तालुका के यडूर गांव में आयोजित एक युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान मोहन भागवत ने वैश्विक हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि ईरान-इजराइल संघर्ष लंबे समय तक चल सकता है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष रूस-यूक्रेन युद्ध जितना पुराना नहीं है, लेकिन इसके दीर्घकालिक होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विश्व की समस्याओं का समाधान मानव धर्म और हिंदू धर्म के मूल्यों में निहित है। भारत सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है और वैश्विक शांति का संदेश दे रहा है। हिंदू समाज की विविधता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पूजा-पद्धति, खान-पान और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद समाज प्राचीन काल से एकजुट रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदू समाज में किसी को जबरन धर्म परिवर्तन कराने की कोई परंपरा नहीं रही है। कार्यक्रम का आयोजन यडूर स्थित श्री काडदेवर मठ में किया गंया, जहां श्रीशैल जगद्गुरु चन्नरामसिद्ध श्री के नेतृत्व में गौ-तुलाभार संपन्न हुआ। इस अवसर पर मोहन भागवत ने गौ-पूजा कर गायों को चारा भी खिलाया। युवा सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवा और स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राजनाथ सिंह की अगुवाई में आईजीओएम की बैठक पश्चिम एशिया संकट के असर की समीक्षा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की बैठक शनिवार को हुई, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी संकट से उत्पन्न स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री जितेन्द्र सिंह, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक की तस्वीर साझा कर बताया कि बैठक में ऊर्जा आपूर्ति पर संभावित जोखिम, आवश्यक वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता, महत्वपूर्ण अवसंरचना की मजबूती तथा भारत की आपूर्ति शृंखलाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों पर गहन चर्चा हुई और भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का आकलन किया गया। यह भी स्पष्ट किया गया कि मोदी सरकार स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है और देशवासियों को किसी भी संभावित प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रबंधन शिक्षा को बोर्डरूम और बैलेंस शीट से बढ़ना चाहिए आगे: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

एजेंसी (हि.स.)
रांची

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची के 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने उभरते हुए लीडर्स को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। दीक्षांत समारोह में कुल 558 डिग्रियां दी गईं। इनमें 26 पीएचडी डिग्रियां, 11 पीएचडी (एग्जीक्यूटिव) डिग्रियां और बैच 2024-26 के विभिन्न प्रोग्राम के ग्रेजुएट्स शामिल हैं। इसमें एमबीए (251), एमबीए एचआरएम (62), एमबीए बीए (50), एमबीए (एग्जीक्यूटिव) (50), आईपीएम (बीबीए और एमबीए) बैच 2021-26 (73 छात्र) और आईपीएम (बीबीए) बैच 2022-25 (35 छात्र) शामिल हैं।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने आईआईएम के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रबंधन शिक्षा को बोर्डरूम और बैलेंस शीट से आगे बढ़ना चाहिए और इसे समाज से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करना चाहिए और समावेशी विकास में योगदान देना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जहां अकादमिक केस स्टडी विश्लेषणात्मक कौशल की परीक्षा लेती है, वहीं जीवन ऐसे निर्णयों की मांग करता है, जो लोगों की आजीविका, विश्वास और व्यापक सामाजिक भलाई को प्रभावित करते हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे सफलता को केवल उपलब्धियों से ही परिभाषित न करें बल्कि उन मूल्यों और नैतिकता से परिभाषित करें जिनके साथ वे उन उपलब्धियों को प्राप्त करते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि नैतिक नेतृत्व, सत्यनिष्ठा और विश्वास वे नींव हैं जिन पर स्थायी संस्थान निर्मित होते हैं। उन्होंने छात्रों को शॉर्टकट के बजाय चरित्र को और मुनाफे के बजाय उद्देश्य को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। युवाओं से विकसित भारत ऐट द रेट 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण में योगदान देने का आह्वान करते हुए, उपराष्ट्रपति ने उनसे वैश्विक सोचें, स्थानीय स्तर पर कार्य करें₹ (थिंक ग्लोबल, एक्टक लोकल) का आग्रह किया और यह सुनिश्चित करने को कहा कि उनका प्रभाव जमीनी स्तर से शुरू हो।

स्नातक होने वाले छात्रों, उनके माता-पिता और संकाय सदस्यों को बधाई देते हुए उपराष्ट्र पति ने उनके लिए सफलता, संतुष्टि और एक उद्देश्यपूर्ण जीवन की कामना की। साथ ही उनसे यह हमेशा याद रखने का आग्रह किया कि सफलता का सच्चा पैमाना यह नहीं है कि कोई कितना संचय करता है, बल्कि यह है कि कोई समाज को बदले में क्या देता है। कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो उनके परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल उत्कृष्ट पेशेवर बनने, बल्कि संवेदनशील एवं उत्तरदायी नागरिक के रूप में समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची देश के अग्रणी प्रबंधन संस्थानों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है। यह संस्थान उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे उच्च कोटि के संस्थान जिस भी राज्य में स्थापित होते हैं, वे उस राज्य के लिए गौरव का विषय होते हैं। उन्होंने संस्थान में स्थापित ह्यअटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर पॉलिसी, लीडरशिप एंड गवर्नेंसह्ण एवं भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर स्थापित सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स की सराहना करते हुए कहा कि ये केंद्र समावेशी विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि वर्ष 2009 में स्थापना के बाद से आईआईएम रांची ने प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में एक सशक्त और प्रतिष्ठित पहचान बनाई है। संस्थान ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और नेतृत्व विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। मंत्री ने झारखंड सरकार की गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत योग्य छात्रों को 15 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण मात्र 04 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि आईआईएम रांची के 24 छात्रों ने इस योजना के माध्यम से लगभग 3.21 करोड़ रुपये का लाभ प्राप्त किया है।

तीन साल में केंद्र से हिमाचल को 11,735 करोड़ रुपये मिले : मुख्यमंत्री सुक्खू

कहा, राज्य सरकार की प्राथमिकता सभी विधानसभा क्षेत्रों का समान विकास करना

सरकार से राज्य को मिली आर्थिक सहायता

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान शनिवार को केंद्र सरकार से राज्य को मिली आर्थिक सहायता को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन को बताया कि पिछले तीन वर्षों में केंद्र सरकार से प्रदेश को विभिन्न मदों के तहत कुल 11,735 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता सभी विधानसभा क्षेत्रों का समान विकास करना है और पूरे प्रदेश के विकास के लिए उनका दिल खुला है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र से मिली राशि में राजस्व घाटा अनुदान के तहत 2,714 करोड़ रुपये, राज्य आपदा राहत फंड के तहत 398 करोड़ रुपये, राज्य आपदा प्रबंधन फंड तहत 50 करोड़ रुपये, स्थानीय निकायों के लिए 734 करोड़ रुपये और केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के तहत 4,062 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अलावा बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के तहत 1,056 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन फंड 1,232 करोड़ रुपये, केंद्र से ऋण एवं अग्रिम राशि के रूप में 2,545 करोड़ रुपये, सामान्य एअढ के तहत 117 करोड़ रुपये तथा पूंजीगत निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत 2,428 करोड़ रुपये मिले हैं।

मुख्यमंत्री यह जानकारी भाजपा विधायकों विनोद कुमार, रणधीर शर्मा और सुधीर शर्मा के संयुक्त प्रश्न के जवाब में दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नाबार्ड के तहत जिन विधायकों की सीमा (लिमिट) शेष है, उनकी प्राथमिकताओं के अनुसार कार्य किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि नाबार्ड की लिमिट 200 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 225 करोड़ रुपये कर दी गई है। इस दौरान भाजपा विधायक सुखराम चौधरी ने अनुपूरक प्रश्न में अपने विधानसभा क्षेत्र की नाबार्ड की पांच लंबित योजनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उनकी लगभग 70 करोड़ रुपये की लिमिट अभी भी बची है और एक सड़क को अब तक मंजूरी नहीं मिली है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि उनकी लिमिट उपलब्ध है तो वे प्राथमिकता के आधार पर एक सड़क का प्रस्ताव दें, सरकार उस पर ध्यान देगी। वहीं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने केंद्र से प्राप्त बजट के वितरण पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार केंद्र से मिली राशि का अधिकतर हिस्सा कांग्रेस विधायकों के क्षेत्रों में खर्च कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र से हिमाचल प्रदेश को जरूरत से ज्यादा सहायता मिल रही है, इसके बावजूद सरकार केंद्र से सहयोग न मिलने का आरोप लगाती है, जो सही नहीं है। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या आगे केंद्र से मिलने वाले बजट के वितरण में इस कथित असंतुलन को दूर किया जाएगा।

इसके जवाब में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि केंद्र से प्राप्त राशि योजनागत और करों के हिस्से के रूप में मिलती है और उसका आवंटन सभी क्षेत्रों में किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायकों के क्षेत्रों में भी बजट दिया गया है और राज्य सरकार पूरे प्रदेश के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

आरआरएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने धर्मगुरु दलाई लामा से की शिष्टाचार भेंट

कांगड़ा जिला के तीन दिवसीय प्रवास पर धर्मशाला पंहुचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल के कांगड़ा जिला के तीन दिवसीय प्रवास पर धर्मशाला पंहुचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरआरएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने प्रवास के प्रथम दिन शनिवार सुबह सबसे पहले तिब्बती धर्मगुरु परम पावन दलाई लामा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दत्तात्रेय होसबोले ने दलाई लामा के साथ कई बिंदुओं पर चर्चा की। इसके बाद आरआरएस सरकार्यवाह होसबोले ने निर्वासित तिब्बत सरकार के ससंद का अवलोकन किया जहां पर उनका औपचारिक परिचय एवं स्वागत किया गया। वहीं बाद में उन्होंने कोतवाली बाजार स्थित सामुदायिक भवन में देव भूमि मैत्री संघ द्वारा आयोजित धर्म सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए होसबाले ने कहा कि तथागत बुद्ध कहते थे एष : धर्म सनातन! सनातन की जड़े प्रकृति में विद्यमान हैं, मानव सेवा धर्म है। जो शुचिता, करुणा, तपस्या, त्याग आधारित है। हमारा सभी का एक ही लक्ष्य है। सभी महापुरुषों ने समय समय पर धर्म की स्थापना एवं धर्म रक्षा के लिए प्राणार्पण किये। गुरु तेगबहादुर जी ने धर्म रक्षा हेतु बलिदान किया, उसी धर्म रक्षा के लिए परम पावन दलाई लामा जी विश्व में शांति का संदेश दे रहें हैं। इसलिए हमें सभी को धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। सम्मेलन में मुख्य अतिथि 7वें लिंग रिंपोछे उपस्थित हुए। इस सम्मेलन का आयोजन परम पावन दलाई लामा के 90 वर्ष पूर्ण होने पर उनके दीघार्यु के लिए एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के निमित्त किया गया। लिंग रिंपोछे ने संघ की प्रशंसा करते हुए कहा कि संघ देश और दुनिया में एकता, समरसता एवं सदभावना का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी को पर्यावरण रक्षा, अहिंसा एवं विश्व शांति के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। भारत दुनिया को सही रास्ता दिखा कर आगे बढ़ रहा है। सम्मेलन में किनौर, लाहौल, स्पीति, जिला कांगड़ा एवं अन्य कई स्थानों से बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने भाग लिया।

इस अवसर प्रान्त संघचालक डा. वीर सिंह रांगडा, क्षेत्र कार्यवाह रोशन यादव, डा. किस्मत कुमार, क्षेत्र प्रचारक जतिन, सरदार जसवीर, भूषण रैना, गेशे लोंगजाग, कोचांग गोम्पा नेगी, तंजीन छोगदेन, कोंचा मिगमार, कार्यक्रम संयोजक डा. थूकतन नेगी, सह संयोजक सुनील शर्मा, भूपेंद्र सिंह सहित कई प्रबुद्ध लोगों ने भाग लिया।

हिमाचल में 12 साल सेवा पूरी करने वाले 474 पंचायत चौकीदार बनेंगे दैनिक वेतनभोगी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शनिवार को प्रश्नकाल में पंचायत चौकीदारों और दिव्यांग कर्मचारियों की पदोन्नति से जुड़े अहम मुद्दों पर सरकार ने जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने संबंधित सवालों के जवाब में सरकार का पक्ष रखा।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि 31 मार्च 2026 तक 12 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले ग्राम पंचायत चौकीदारों को दैनिक वेतनभोगी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसे 474 चौकीदार हैं, जिन्होंने 12 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है। यह जानकारी उन्होंने विधायक रीना कश्यप और हरदीपसिंह बावा के सवाल के जवाब में दी। मंत्री ने स्पष्ट किया कि ग्राम पंचायत चौकीदार जिला परिषद कैडर के कर्मचारी होते हैं और सीधे राज्य सरकार के अधीन नहीं आते हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें नियमित करने का मामला जब मंत्रिमंडल के पास आएगा, तब उस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश की 3773 ग्राम पंचायतों में इस समय 2912 पंचायत चौकीदार कार्यरत हैं। इनमें से 31 अगस्त 2022 तक 12 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले 1518 चौकीदारों को पहले ही दैनिक वेतनभोगी बनाया जा चुका है।

अंतर-पीढ़ी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय विस्तृत कार्यशाला आयोजित

मंडी। वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद मंडी के सभागार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में अंतर-पीढ़ी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय विस्तृत कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं के बीच आपसी संवाद, समन्वय एवं पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा देना तथा उन्हें सामाजिक, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं वित्तीय विषयों पर जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में लगभग 120-130 प्रतिभागियों वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक अवस्थी, राज्य अध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद द्वारा की गई, जिन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव एवं युवाओं की ऊर्जा के समन्वय को समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया तथा ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत टॉक एवं एक्सचेंज सत्र आयोजित किया गया, जिसमें दोनों पीढ़ियों के बीच विचारों एवं अनुभवों का खुला आदान-प्रदान हुआ। इसके अतिरिक्त काव्य पाठ सत्र में प्रतिभागियों ने जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे संवेदनाएं, अनुभव, संघर्ष एवं आशाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

सिनेमाघरों की लूट पर लगाम और डोगरी फिल्मों के लिए निश्चित शो की मांग: शिवसेना

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर इकाई ने सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में टिकटों व खाने-पीने की वस्तुओं की मनमानी कीमतों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए खुली लूट पर तत्काल लगाम लगाने की मांग की है। साथ ही डोगरी व अन्य स्थानीय भाषाओं की फिल्मों को बड़े पर्दे पर अनिवार्य स्थान देने की भी जोरदार पैरवी की गई है।

इस संबंध में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट को एक लिखित ज्ञापन सौंपा जिस पर प्रशासन की ओर से उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश प्रमुख मनीष साहनी ने कहा कि सिनेमाघरों में आम जनता की जेब पर सीधा डाका डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर टिकटों की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहीं दूसरी ओर पॉपकॉर्न, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य पदार्थ कई गुना महंगे दामों पर बेचे जा रहे हैं जो पूरी तरह से आर्थिक शोषण है। साहनी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस लूट पर रोक नहीं लगाई गई तो शिवसेना सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने सिनेमाघर मालिकों से तुरंत मनमानी बंद करने और प्रशासन से सख्त दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। इसके साथ ही साहनी ने मल्टीप्लेक्स और सिनेमाघरों से डोगरी व अन्य स्थानीय भाषाओं की फिल्मों को प्राथमिकता देने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि जम्मू की समृद्ध डोगरी संस्कृति और स्थानीय प्रतिभाओं को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। जब बाहरी फिल्मों को भरपूर स्क्रीन मिलती है, तो स्थानीय कलाकारों और फिल्म निर्माताओं को भी समान अवसर मिलना चाहिए।

शिवसेना ने मांग की कि प्रत्येक मल्टीप्लेक्स में स्थानीय फिल्मों के लिए निश्चित शो अनिवार्य किए जाएं ताकि क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा मिले और युवाओं को अपने ही प्रदेश में मंच प्राप्त हो सके।

संक्षिप्त-समाचार

जोजीला दर्रे पर हिमस्खलन में वाहन दबने से 7 लोगों की मौत; बचाव अभियान जारी

श्रीनगर/लेह। जोजीला दर्रे पर हुए घातक हिमस्खलन के बाद स्थिति और बिगड़ गई है। नवीनतम जानकारी के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है जबकि कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर जीरो पॉइंट के पास आए हिमस्खलन ने कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया जबकि पहले केवल एक यात्री वाहन के दबने का अनुमान था। जब हिमस्खलन ने राजमार्ग पर चल रहे काफिले को अपनी चपेट में लिया तो कई यात्री भारी बर्फ के नीचे दब गए। सेना, पुलिस और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। अब तक सात शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि घायलों को इलाज के लिए पास के चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया है। अधिकारियों को आशंका है कि अभी भी और लोग बर्फ के नीचे दबे हो सकते हैं और मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। इस बीच भारी बर्फबारी और मलबे के जमाव के कारण श्रीनगर-लेह राजमार्ग यातायात के लिए बंद है। ताजा बर्फबारी और हिमस्खलन के खतरे सहित प्रतिकूल मौसम की स्थिति, चल रहे बचाव और सफाई कार्यों में गंभीर चुनौतियां पैदा कर रही हैं। अधिकारियों ने यात्रियों को सलाह जारी कर स्थिति सामान्य होने तक इस मार्ग पर यात्रा न करने का निर्देश दिया है। बचाव दल क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी रखे हुए हैं इसलिए आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

जम्मू-कश्मीर में पीएम आवास योजना-शहरी के तहत 31 हजार से अधिक घर पूरे, शेष निर्माणाधीन : सरकार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-शहरी) के तहत अब तक 31 हजार से अधिक मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि हजारों इकाइयां अभी भी निर्माणाधीन हैं। सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं में देरी का मुख्य कारण लाभार्थियों से जुड़ी आर्थिक और व्यक्तिगत समस्याएं हैं। विधानसभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में सरकार ने कहा कि पीएमएवाई-शहरी मिशन 1.0 के लाभार्थी-नेतृत्व निर्माण (बीएलसी) घटक के तहत कुल 39,153 मकान स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 31,173 मकान बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि 7,980 मकानों का निर्माण कार्य जारी है। इन अधूरे मकानों को मिशन की विस्तारित समयसीमा सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलावार आंकड़ों के अनुसार, जम्मू जिले में सबसे अधिक 5,755 मकान स्वीकृत हुए हैं। इसके बाद बारामूला में 4,165 और अनंतनाग में 3,856 मकान स्वीकृत किए गए। श्रीनगर जिले में 3,508 मकान स्वीकृत हुए, जिनमें से 2,664 पूरे हो चुके हैं और 844 निर्माणाधीन हैं। लाल चौक विधानसभा क्षेत्र के संदर्भ में सरकार ने बताया कि पीएमएवाई-शहरी 1.0 के तहत 423 मकान स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 263 मकान पूरे हो चुके हैं, जबकि 160 का निर्माण कार्य अभी जारी है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की 'नशा मुक्त भारत अभियान' की प्रगति की समीक्षा

जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को लोक भवन, जम्मू में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में केंद्र शासित प्रदेश में चल रहे नशामुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं को निशाना बनाने वाले नशा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की लत में धकेलने के लिए सुनियोजित और दुर्भावनापूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। मादक पदार्थों की तस्करी और नार्को-आतंकवाद के पूरे तंत्र को समाप्त करने के लिए सख्त प्रवर्तन, मजबूत निवारक उपायों और बहुआयामी कार्ययोजना के साथ समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। मनोज सिन्हा ने नशामुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जनभागीदारी और समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। बैठक में प्रवर्तन, सूचना संचार, परामर्श, उपचार और पुनर्वास जैसे पांच प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही भ्रामक सूचनाओं से निपटने के लिए सोशल मीडिया की सख्त निगरानी प्रणाली विकसित करने पर भी विचार किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों में निवारक उपायों को मिशन मोड में लागू किया जाए। इसके अलावा, नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवादी नेटवर्क के अवशेषों की पहचान कर उन्हें कड़ी सजा देने के निर्देश भी दिए गए।

कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने अपने डॉ. जी.सी. नेगी पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के माध्यम से कांगड़ा जिले के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक पशुपालन एवं बकरी पालन के क्षेत्र में ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना था।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए.के. पांडा ने प्रशिक्षण सत्रों की अध्यक्षता की तथा अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं एवं ग्रामीण युवाओं को सतत आजीविका के रूप में पशुपालन एवं बकरी पालन को अपनाना चाहिए। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने हेतु पोषण वाटिका, कुक्कुट पालन तथा अन्य उद्यमशील गतिविधियों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ. पंकज सूद तथा डॉ. संजीव कटोच, अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, कांगड़ा ने किसानों को विभागीय योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी तथा उन्हें आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

ये प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत डॉ. संजय कुमार खुराना, अध्यक्ष, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा विभाग तथा डॉ. एस. कटोच, अध्यक्ष, पशुधन उत्पादन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में डॉ. देवेश ठाकुर, डॉ. राकेश ठाकुर, डॉ. निशांत वर्मा, डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. अंकज ठाकुर, डॉ. रोहित कुमार तथा डॉ. मीसम रजा सहित विशेषज्ञों ने भाग लिया और किसानों के साथ महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी एवं व्यावहारिक अनुभव साझा किए।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की पहलें किसानों को वैज्ञानिक ज्ञान से सशक्त बनाने तथा क्षेत्र में पशुधन आधारित आजीविका को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शाहपुर में सड़क हादसे में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत, तीन अन्य घायल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई है। यह हादसा मैक्लोडगंज पुलिस थाना के तहत धारकंडी मार्ग पर घेरा गांव के पास हुआ, जहां एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। मृतकों में एक स्थानीय अध्यापक भी हैं, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिये टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक कार में सवार लोग निजी समारोह से वापिस आ रहे थे। दुर्घटना का पता सुबह उस समय चला जब स्थानीय लोग सड़क मार्ग से गुजर रहे थे। उन्होंने गहरी खाई में एक क्षतिग्रस्त कार देखी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। आशंका है कि यह हादसा रात के अंधेरे में हुआ और घायलों को घंटों तक मदद नहीं मिल पाई। उधर एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान 40 वर्षीय कारन बहादुर और 18 वर्षीय करीना देवी के रूप में हुई है। तीन अन्य को घायल अवस्था में खाई से बाहर निकाला गया। सुबह राहगीरों ने पुलिस और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया।

हिमाचल में तीन साल में डिजिटल ठगी के 585 मामले दर्ज, 150 करोड़ से ज्यादा की ठगी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में डिजिटल ठगी के मामलों में पिछले तीन साल के दौरान तेज बढ़ोतरी सामने आई है। राज्य विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार 31 जनवरी 2026 तक प्रदेश में डिजिटल फ्रॉड के कुल 585 मामले दर्ज किए गए हैं और इन मामलों में करीब 150 करोड़ 19 लाख 71 हजार 939 रुपये की ठगी की गई है। यह जानकारी मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के सवाल के जवाब में दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में दर्ज मामलों के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। इन मामलों में सबसे ज्यादा 59 केस कांगड़ा जिले में दर्ज हुए हैं। इसके अलावा पुलिस जिला बद्दी में 58, सोलन में 41, मंडी में 30, किन्नौर में 28, सिरमौर में 25, शिमला में 17, ऊना में 13, पुलिस जिला नूरपुर में 12, चंबा और कुल्लू में 10-10, पुलिस जिला देहरा में 8, हमीरपुर में 7 और लाहौल-स्पीति में 4 मामले दर्ज हुए हैं। सबसे कम एक मामला बिलासपुर जिले में दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रदेश के तीन साइबर क्राइम पुलिस थानों में ही डिजिटल फ्रॉड के 262 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें साइबर क्राइम पुलिस थाना मंडी में 100, जबकि साइबर पुलिस थाना धर्मशाला और शिमला में 81-81 मामले दर्ज किए गए हैं। ठगी की रकम के मामले में साइबर पुलिस स्टेशन शिमला में सबसे ज्यादा 55 करोड़ 62 लाख 12 हजार 20 रुपये की ठगी दर्ज की गई है। इसके अलावा साइबर पुलिस स्टेशन मंडी में 33 करोड़ 64 लाख 32 हजार 848 रुपये और साइबर पुलिस स्टेशन धर्मशाला में 25 करोड़ 91 लाख 98 हजार 466 रुपये की ठगी हुई है।

पुंछ में भाजपा यूएलबी सेल की बैठक हुई

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) प्रकोष्ठ ने पुंछ जिले में अपनी बैठक आयोजित की। यूएलबी प्रकोष्ठ के संयोजक पवन सिंह, सह-संयोजक अजय गुप्ता और दिनेश गुप्ता ने मुख्य रूप से बैठक को संबोधित किया और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने और केंद्र शासित प्रदेश में आगामी चुनावों की तैयारी के लिए प्रकोष्ठ की प्रतिबद्धता को दोहराया।

भाजपा जिला अध्यक्ष पुंछ ने बैठक की अध्यक्षता की जिसमें पूरी जिला टीम विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों, कार्यकारी सदस्यों, नगर समितियों के प्रतिनिधियों और प्रमुख निवासियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पार्टी कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति क्षेत्र में भाजपा की बढ़ती संगठनात्मक शक्ति को दर्शाती है। बैठक को संबोधित करते हुए पवन सिंह ने प्रभावी शासन और जनसेवा वितरण सुनिश्चित करने में शहरी स्थानीय निकायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा यूएलबी प्रतिनिधियों को सशक्त बनाने और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक घर तक पहुंच सके।

उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर एक मजबूत और जवाबदेह संगठनात्मक ढांचा तैयार करना है जो जनता के कल्याण के लिए अथक प्रयास करे। अजय गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच एकता और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में सफलता प्राप्त करने के लिए संगठन के भीतर बेहतर समन्वय और संचार महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी संरचना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है और उनकी निष्ठा जम्मू-कश्मीर में भाजपा की निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करेगी।

मौसम हिमाचल के कई हिस्सों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना

प्रदेश में तीन अप्रैल तक मौसम खराब, आंधी-बिजली का येलो अलर्ट

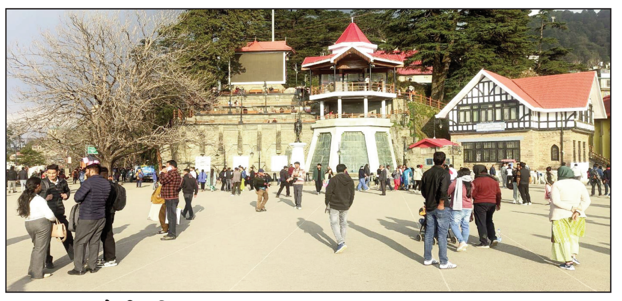

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में 3 अप्रैल तक मौसम खराब रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी-बिजली के साथ बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई जगह 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। इससे जनजीवन और फसलों पर असर पड़ सकता है।

शनिवार सुबह शिमला और मनाली सहित ऊंचाई वाले इलाकों में बादल छाए रहे, जबकि निचले क्षेत्रों में कहीं-कहीं धूप भी निकली। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अप्रैल के पहले सप्ताह में भी बादलों की आवाजाही जारी रहेगी और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आज प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। 29 और 30 मार्च को भी अलग-अलग स्थानों पर आंधी-बिजली के साथ 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 31 मार्च और 1 अप्रैल को भी कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं। लेकिन कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। 2 और 3 अप्रैल को एक बार फिर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इस दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। प्रदेश में मार्च के दूसरे पखवाड़े से रुक-रुक कर बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है।

जम्मू-कश्मीर में 30 मार्च तक बारिश और बर्फबारी की संभावना: निदेशक मौसम विभाग

श्रीनगर। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में अगले कुछ दिनों तक सामान्यतः बादल छाए रहने और रुक-रुक कर बारिश व बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद ने बताया कि 28 से 30 मार्च तक शाम के समय मौसम सामान्यतः बादल छाए रहने की संभावना है। मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचे इलाकों में अधिकांश स्थानों पर बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने आगे बताया कि 28 मार्च की रात से 30 मार्च की रात तक गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च को भी सामान्यतः बादल छाए रहने और छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है। 1 से 2 अप्रैल तक मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है। 3 और 4 अप्रैल के बीच छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है जबकि 5 से 7 अप्रैल तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ-साथ छिटपुट बारिश या बर्फबारी होने की आशंका है। मौसम विभाग ने 28 से 30 मार्च की रात के दौरान उत्तरी और मध्य कश्मीर के ऊंचे इलाकों में मध्यम बर्फबारी, गरज और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। संवेदनशील स्थानों पर भूस्खलन की भी संभावना है। किसानों को 29 और 30 मार्च के दौरान कृषि कार्य स्थगित करने की सलाह दी गई है जबकि यात्रियों से यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने और अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाने का आग्रह किया गया है।

कठुआ में तंबाकू नियंत्रण पर सख्ती सीओटीपीए लागू करने के दिए निर्देश

कठुआ। जिला उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा की अध्यक्षता में डीसी कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला एवं जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सीओटीपीए-2003 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। तकनीकी सत्र के दौरान एनटीसीपी की डिविजनल कोऑर्डिनेटर श्वेता रैना ने तंबाकू नियंत्रण से जुड़े विभिन्न पहलुओंकृकानून के प्रवर्तन, जागरूकता अभियान, तंबाकू त्याग सेवाएं और मॉनिटरिंग व्यवस्थाकृपर विस्तृत प्रस्तुति दी। अपने संबोधन में डीसी राजेश शर्मा ने तंबाकू नियंत्रण कानूनों के सख्त पालन पर जोर देते हुए नियमित निरीक्षण, व्यापक जागरूकता अभियान और जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों और शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने पर विशेष बल दिया। इसके अलावा, ग्रामीण स्तर पर तंबाकू मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए तंबाकू मुक्त गांवके साइन बोर्ड भी संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा मुद्रक प्रवीन तोमर की इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22 और 49, ग्राउंड फ्लोर, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-2, पंचकूला-134115 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 180 ए, सेक्टर 19 सी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पंचकूला, हरियाणा-134113 से प्रकाशित।
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय पंचकूला होगा।
स्थानीय कार्यालय
180 ए, सेक्टर 19 सी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पंचकूला, हरियाणा-134113
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpanharyana@gmail.com

सैनी ने अयोध्या के लिए तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को किया रवाना

अप्रैल के आखरी सप्ताह में नांदेड़ साहब (महाराष्ट्र) के लिए भी जाएगी श्रद्धालुओं की ट्रेन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज अंबाला से अयोध्या के लिए तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अगले महीने अप्रैल के आखरी सप्ताह में श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा (नांदेड़ , महाराष्ट्र) के लिए तीर्थ यात्रियों हेतु विशेष ट्रेन जाएगी।

इससे पूर्व , मुख्यमंत्री ने तीर्थ यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन पूरे हरियाणा के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक क्षण है। भगवान श्रीकृष्ण की इस पावन धरा से भगवान श्रीराम की जन्मभूमि, अयोध्या धाम के लिए इस विशेष तीर्थ ट्रेन को रवाना कर रहे हैं, तो उनको बड़े गर्व और गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने यात्रियों को बधाई देते हुए कहा कि अयोध्या में बना भगवान श्रीराम जी का दिव्य, भव्य एवं नव्य मंदिर भारत का गौरव है। हम सबके पुण्य कर्मों का ही फल है कि हम अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने हैं और अब उनके दर्शन के लिए जाने का सौभाग्य मिला है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अयोध्या की यह यात्रा केवल एक भौतिक सफर नहीं है, यह एक आध्यात्मिक परिवर्तन की यात्रा है। जब आप सरयू नदी के तट पर खड़े होंगे, जब आप हनुमानगढ़ी के दर्शन करेंगे और जब आप उस भव्य राम मंदिर की दहलीज को छुएंगे, तो आपको उस ऊर्जा का अनुभव होगा जिसने भारत को 'विश्व गुरु' बनाया था। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने तीर्थ यात्रा के लिए रेलवे के साथ अनुबंध किया है। उसके बाद आज पहली ट्रेन से सात जिलों के 700 बुजुर्गों को भेजा जा रहा है। इस यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए ट्रेन में खान-पान और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए वे रेलवे विभाग के अधिकारियों का भी धन्यवाद करते हैं जिन्होंने विशेष प्रबंधों को सुनिश्चित किया ताकि हमारे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह संकल्प है कि प्रदेश के बुजुर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के श्रद्धालु, धन के अभाव में तीर्थ यात्रा से वंचित न रहें। इसी उद्देश्य से सरकार ने 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की शुरूआत की है। आज की यह ट्रेन उसी वादे और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी कैथल, करनाल, अम्बाला और जींद से बसों के माध्यम से अयोध्या में श्रीराम लला के दर्शन करवाए थे।

उन्होंने कहा कि अयोध्या जैसे तीर्थ भारतीय संस्कृति के जीवन की ऊर्जा के स्रोत हैं। भारतीय सभ्यता की पालक रही मां सिंधु नदी के दर्शन के लिए भी 'स्वर्ण जयंती सिन्धु दर्शन' योजना चलाई जा रही है। इसके तहत 10 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री (अधिकतम 50 यात्रियों तक) वार्षिक वित्तीय सहायता देने का प्रावधान है। इसी प्रकार , 'कैलाश मानसरोवर यात्रा' योजना के तहत 50 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री (अधिकतम 50 यात्रियों तक) वार्षिक वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वर्ण जयंती गुरु दर्शन यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा (नांदेड), श्री ननकाना साहिब, श्री हेमकुण्ड साहिब और श्री पटना साहिब जाने वाले प्रदेश के तीर्थ यात्रियों को 6 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने सभी तीर्थ यात्रियों को मंगलमयी यात्रा की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री असीम गोयल , सूचना , जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के. मकरंद पांडुरंग ,मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री विवेक कालिया समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

न्याय प्रणाली में प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग एक सहायक उपकरण के रूप में होना चाहिए : न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

न्यायमूर्ति मसीह ने प्रौद्योगिकी के माध्यम से कानून की भूमिका को आगे बढ़ाना ह्यचुनौतियाँ और अवसरह्य विषय पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन का किया उदघाटन

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह ने कहा कि न्यायिक प्रणाली में प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग न्याय प्रक्रिया को सुगम और प्रभावी बनाने के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन अंतिम निर्णय लेने की जिम्मेदारी सदैव न्यायाधीशों की होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह ने यह बात आज राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय तथा चंडीगढ़ न्यायिक अकादमी के सहयोग से ह्यह्यप्रौद्योगिकी के माध्यम से कानून की भूमिका को आगे बढ़ाना ह्यचुनौतियाँ और अवसरह्य विषय पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान सम्बोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि न्याय केवल मामलों का तकनीकी या यांत्रिक तरीके से निपटारा करने का विषय नहीं है, बल्कि इसमें मानवीय दृष्टिकोण और संवेदनशीलता का भी महत्वपूर्ण स्थान है। तकनीक, एल्गोरिदम और एआई न्यायिक प्रणाली को जानकारी उपलब्ध कराने और प्रक्रियाओं को तेज करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन इन्हें न्याय देने वाले के रूप में नहीं देखा जा सकता। वर्तमान परिस्थितियों में न्यायिक निर्णय का अधिकार और जिम्मेदारी न्यायाधीशों के पास ही रहनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक तकनीकों में अपार संभावनाएं हैं और वे न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता तथा दक्षता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। हालांकि यह भी आवश्यक है कि इन तकनीकों का लाभ आम नागरिकों और वादियों तक प्रभावी ढंग से पहुँचे तथा उन्हें इनके उपयोग के बारे में पर्याप्त जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाए।

न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह ने कहा कि तकनीक का उद्देश्य न्याय को प्रतिस्थापित करना नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होना चाहिए। न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह ने न्यायपालिका, कार्यपालिका और अन्य संस्थाओं के बीच सहयोग पर बल देते हुए कहा कि न्यायिक व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए केवल समस्याओं को सामने लाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ठोस और व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत करने होंगे।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू ने न्यायिक क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका पर बल देते हुए कहा कि तकनीक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सुलभ बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है, किन्तु इसके उपयोग में न्याय के मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कानून का शासन केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय, निष्पक्षता और समानता का भरोसा है। उन्होंने कहा कि अदालतों के हर आदेश और प्रत्येक कार्यवाही का उद्देश्य इसी भरोसे को मजबूत करना होता है।

स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में एक जन आंदोलन है फिट इंडिया कैंपेन:गौतम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने के लिए नियमित शारीरिक और फिटनेस गतिविधियां बेहद जरूरी हैं। फिट इंडिया केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में एक जन आंदोलन है। हमें अपने दैनिक जीवन में खेल और शारीरिक गतिविधियों को शामिल कर फिटनेस को अपनी आदत बनाना होगा।

खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने यह बात आज पलवल स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में फिट इंडिया-फिट पलवल अभियान के दौरान कही। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि फिट इंडिया अभियान का उद्देश्य केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में नियमित रूप से फिटनेस को शामिल करने का संदेश देना भी है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से सीधा संवाद करते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को ह्यविकसित और आत्मनिर्भरह्व देश बनाने के सपने को साकार करने में फिट और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण युवाओं की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें और अपनी सकारात्मक ऊर्जा का प्रयोग देश को आगे ले जाने और आगे बढ़ाने में करें। उन्होंने कहा कि साहस, संघर्ष और समर्पण के प्रतीक, सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण युवा ही प्रदेश की उन्नति, शक्ति और समृद्धि के सशक्त स्तंभ हैं। उन्होंने युवाओं के उज्ज्वल, सफल एवं प्रेरणादायी भविष्य की मंगलकामना की और जीवन में आगे बढने के लिए प्रेरित किया।

रंगरथ नाट्य महोत्सव में मंचित हुआ नाटक सम्राट अशोक, सफीदों के कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर हरियाणा कला परिषद द्वारा कला कीर्ति भवन में तीन दिवसीय रंगरथ नाट्य महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसके पहले दिन रास कला मंच सफीदों के कलाकारों ने नाटक सम्राट अशोक का मंचन किया। कला परिषद के निदेशक विवेक कालिया के नेतृत्व में आयोजित तीन दिवसीय नाट्य उत्सव के पहले दिन वरिष्ठ रंगकर्मी बृजकिशोर शर्मा, नीरज सेठी, चंद्रशेखर दुआ, सुरेखा और हरियाणा कला परिषद के कार्यालय प्रभारी धर्मपाल ने दीप प्रज्जवलित कर उत्सव का शुभारम्भ किया। मंच का संचालन विकास शर्मा द्वारा किया गया। पद्मश्री दया प्रकाश सिन्हा द्वारा लिखित और अंकिता के निर्देशन तथा रविमोहन के मार्गदर्शन में मंचित लगभग दो घण्टे की अवधि वाला नाटक सत्ता, युद्ध और विजय की कथा से आगे बढ़कर एक ऐसे शासक की आत्मिक यात्रा को

दिखाता है, जो हिंसा के मार्ग से हटकर करुणा और धम्म के रास्ते पर चलता है। कंलिग युद्ध की विभीषिका अशोक के अंदर गहरा द्वंद्व पैदा करती है। युद्धभूमि में बहता रक्त, स्त्रियों और बच्चों की चीखें, उजड़ते हुए नगर सब अशोक के हृदय को झकझोर देते हैं और यहीं से अशोक का परिवर्तन प्रारम्भ होता है। सम्राट अशोक में दिखाया कि अशोक जन्म के समय से ही काफी कुरूप थे। लेकिन एक वीर योद्धा थे।

अशोक बिन्दुसार का पुत्र था। उनकी मां धर्मा उपेक्षित थी। अशोक के जन्म के बाद उन्हें स्वीकारा गया। इसलिए पुत्र का नाम अशोक रखा। अशोक उज्जयिनी के शासन बने। बिन्दुसार से उसने जबरन राज्याधिकार प्राप्त किया था। उस आघात में बिन्दुसार की मौत हो गई। राज-सिंहासन के लिए उसकी लड़ाई बड़े भाई सुसीम के साथ हुई थी। भाई की हत्या कर उसने सत्ता हथियाई थी, इसलिए उसे पितृहन्ता और भ्रातहन्ता के साथ चंडाशोक भी कहा गया। नाटक में दिखाया गया कि अशोक पहले बौद्ध मत के विरूद्ध था, लेकिन कारागार में बंद एक बौद्ध भिक्षु के चमत्कारों से प्रभावित होकर वह बौद्ध धर्म से दीक्षित हो गया। अशोक के अंतपुर में 500 स्त्रियां थीं। जो स्त्रियां उसकी कुरूपता से क्षुब्ध होती थी, वह क्रूरतापूर्वक उन्हें जला देता था। कुरूपता के कारण उसने अपना नाम प्रियदर्शी भी रखा था। कलिंग युद्ध के बाद बुद्ध के चरणों में शरण लेने की यात्रा को कलाकारों द्वारा बड़ी ही गहराई से उकेरा गया है। इतिहास को वर्तमान से जोड़ते हुए नाटक दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि सच्चा साम्राज्य मनुष्य के भीतर बनता है। जीवन में किसी भी चीज की अधिकता सदैव पतन की ओर ले जाती है। नाटक में अशोक का किरदार अंकित राज सोनल ने निभाया। देवी की भूमिका में अंकिता, राधागुप्त मनोज कुमार, बिंदुसार प्रियांश सेहर, उपगुप्त कृष, सागरमते रौनक, भिक्षु हर्षित वर्मा, तिस्य आशीष पाठक, कात्यायन वंशिता भारद्वाज तथा अन्य भूमिकाओं में प्रिया, अनिशा कुमारी, सौरभ डागर, मोहित सैनी, दीपांश आदि रहे। संगीत आकाश तथा प्रकाश व्यवस्था रवि मोहन ने संभाली। रूप सज्जा धर्मेश ने की।

संक्षिप्त-समाचार

देश के तीर्थ स्थलों के निशुल्क दर्शन और यात्रा करवा रही है प्रदेश सरकार:सुभाष सुधा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि देश के तीर्थ स्थलों के निशुल्क दर्शन और यात्रा प्रदेश सरकार की तरफ से करवाई जा रही है। यह यात्रा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत करवाई गई है। इस योजना के अंतर्गत कुरुक्षेत्र से 32 श्रद्धालु अयोध्या तीर्थ यात्रा के लिए गए हैं। अहम पहलू है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला से अयोध्या के लिए विशेष भारत गौरव ट्रेन को हरी झंडी देकर रवाना किया है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर बोल रहे थे। इस विशेष ट्रेन का कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा के जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने स्वागत किया। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अयोध्या के लिए कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन से भारत गौरव ट्रेन में श्रद्धालुओं को रवाना किया। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने सभी तीर्थ यात्रियों को पुष्प गुच्छ भी भेंट किए और मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी हैं। कुरुक्षेत्र धर्मनगरी से अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करने जाने वाले 32 यात्रियों का रेलवे स्टेशन कुरुक्षेत्र से पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा व जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने तिलक लगाकर, अंगवस्त्र व रुद्राक्ष माला भेंट कर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के सीनियर सिटीजन के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को आरंभ किया है। प्रदेश का कोई 60 आयु वर्ग के ऊपर का नागरिक आवेदन कर सकता है, जिसके परिवार पहचान पत्र में आय 1 लाख 80 हजार रुपए से कम हो। जिला के सभी विधानसभाओं से इस योजना के तहत नागरिकों का अधिक से अधिक आवेदन करवाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा नागरिक भगवान लला का दर्शन कर सकें। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि हमारे देश का सौभाग्य है, जहां के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण करवाया। इस मंदिर के निर्माण के लिए लंबे समय तक इंतजार किया गया। इस मौके पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह, एआईपीआरओ केदार नाथ शर्मा, अधीक्षक हाकम सिंह सैनी, रेलवे स्टेशन अधीक्षक शंकर लाल मीणा, आईआरटीसी से चंडीगढ़ के अधिकारी गौरव शर्मा, अमन सैनी, जिला उपाध्यक्ष अनू माल्याण, मीडिया प्रभारी ललित माटा, कार्यालय सह प्रभारी सोमपाल राणा, विष्णु दत्त, विजय लक्ष्मी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अभेद्य ऐप की बड़ी सफलता: सोनीपत पुलिस ने अंतरराज्यीय फिरौती गैंग का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस के ह्यअभेद्यह्न मोबाइल ऐप की प्रभावशीलता एक बार फिर साबित हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत सोनीपत पुलिस ने अंतरराज्यीय फिरौती गैंग का पदार्फाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस सफलता पर डीजीपी अजय सिंघल ने पुलिस टीम को बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे ही प्रभावी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। जांच में सामने आया कि ह्यअभेद्यह्न ऐप के कारण अंतरराष्ट्रीय नंबरों का उपयोग बाधित होने से अपराधियों को स्थानीय मोबाइल नंबरों का सहारा लेना पड़ा। जैसे ही स्थानीय नंबर सक्रिय हुए, पुलिस की तकनीकी टीम अलर्ट हो गई और बहालगढ़ क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी आरोपी दिल्ली के नरेला क्षेत्र के निवासी हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, गिरोह दिल्ली, हरियाणा सहित कई राज्यों में लोगों को निशाना बनाकर फिरौती मांगता था। आरोपियों ने सोनीपत के एक न्यूट्रिशनिस्ट से फिरौती मांगने की बात भी स्वीकार की है। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग जिलों में रंगदारी के लिए फायरिंग जैसी वारदातों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार, 3 मोबाइल फोन और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद सामग्री का उपयोग आपराधिक गतिविधियों में किया जा रहा था। फिलहाल आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है।

संसद में गूंजी सिरसा क्षेत्र में बढ़ते कैंसर मामलों की आवाज

सिटी दर्पण संवाददाता
नई दिल्ली

सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने लोकसभा में हरियाणा विशेष रूप से सिरसा और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे कैंसर के मामलों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की।

सिरसा में सुपर स्पेशलिटी कैंसर अस्पताल खोलने की मांग

संसद में बोलते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और जींद जैसे जिलों में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक हैं। उन्होंने विशेष रूप से घग्गर और यमुना नदी से प्रभावित क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन इलाकों में पर्यावरण एवं जल प्रदूषण की स्थिति की गहन जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और अन्य हानिकारक तत्वों के अत्यधिक उपयोग के कारण मिट्टी और भूजल दोनों दूषित हो रहे हैं, जिसका सीधा असर आमजन के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि यह पता लगाने के लिए तत्काल व्यापक और वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाए कि क्या भूजल में प्रदूषण कैंसर के बढ़ते मामलों का प्रमुख कारण है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार को तुरंत ठोस कदम उठाते हुए इस गंभीर समस्या के वास्तविक कारणों की पहचान करनी चाहिए और प्रभावी रोकथाम के उपाय लागू करने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सिरसा में एक सुपर स्पेशलिटी कैंसर अस्पताल स्थापित करने की जोरदार मांग की। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल के बनने से न केवल सिरसा बल्कि आसपास के जिलों के हजारों मरीजों को समय पर जांच, बेहतर इलाज और समुचित देखभाल की सुविधा मिल सकेगी। अपने वक्तव्य के अंत में कुमारी सैलजा ने कहा कि यह केवल एक क्षेत्र का नहीं बल्कि पूरे देश के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है, जिस पर सरकार को प्राथमिकता के आधार पर कार्य करना चाहिए।

सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, समाज में सकारात्मक बदलाव का सशक्त माध्यम: कृष्ण बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा संस्कृति सोसाइटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र के सहयोग से आयोजित 8वें हरियाणा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के तीसरे दिन आयोजित शाम के विशेष सत्र में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री (सामाजिक न्याय, अधिकारिता मंत्री)कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके आगमन से कार्यक्रम का माहौल और अधिक उत्साहपूर्ण हो गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित इस अवसर पर मंत्री कृष्ण बेदी ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के फिल्म महोत्सव युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक सशक्त मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि सिनेमा केवल

मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने और सकारात्मक बदलाव लाने का प्रभावी साधन भी है। उन्होंने यह भी बताया कि हरियाणा सरकार ने फिल्म पॉलिसी के माध्यम से हरियाणवी फिल्मों के विकास को बढ़ावा दिया है, जिससे प्रदेश की संस्कृति और संस्कारों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है।

इस अवसर पर युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया तथा डिप्टी डायरेक्टर प्रो. सलोनी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। वहीं, फेस्टिवल निदेशक धर्मेन्द्र डांगी और मंच संचालक डॉ. आबिद अली ने भी उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के शाम सत्र में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों व दर्शकों ने आयोजन का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान राजेंद्र वर्मा, यश बाबू (लेखक, निमार्ता एवं निर्देशक), यश भारद्वाज, गुरदयाल सुनेहडी, मुकेश ग्रोवर, लव गुप्ता, सुरेंद्र जी, वेद जी, सुखबीर जी तथा डॉ. राजेश वधवा भी मौजूद रहे।

ललित कला विभाग की प्रतिभा, समर्पण और रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण है मूर्तियां: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

भगवद गीता की शिक्षाओं से प्रेरित दो स्मारक मूर्तियाँ तैयार, कुवि के ललित कला विभाग की अनूठी पहल

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग ने भगवद गीता की शिक्षाओं से प्रेरित दो भव्य स्मारक मूर्तियाँ तैयार कर भारतीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया है। इनमें से एक मूर्ति भगवान कृष्ण के विराट रूप को दर्शाती है, जबकि दूसरी मूर्ति उस ऐतिहासिक दृश्य को चित्रित करती है जिसमें भगवान कृष्ण रथ पर अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए दिखाई देते हैं।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ये मूर्तियाँ ललित कला विभाग की प्रतिभा, समर्पण और रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों, शिक्षकों और शोधार्थियों ने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक कला कौशल के साथ जोड़कर उल्लेखनीय कार्य किया है। ऐसे प्रयास भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हैं और नई पीढ़ी को प्रेरित करने का काम करते हैं। दोनों कलाकृतियाँ मिलकर दिव्य ज्ञान, मार्गदर्शन और गुरु-शिष्य के अटूट संबंध का प्रतीक बनती हैं। विराट रूप की मूर्ति भगवान कृष्ण के उस विशाल और दिव्य स्वरूप को दर्शाती है, जिसे उन्होंने कुरुक्षेत्र के युद्ध के दौरान प्रकट किया था। यह मूर्ति इस विचार को भी उजागर करती है कि एक अदृश्य और शक्तिशाली शक्ति जीवन के संचालन और संरक्षण में निरंतर सक्रिय रहती है। दूसरी मूर्ति उस महत्वपूर्ण क्षण को सजीव रूप में प्रस्तुत करती है जब भगवान कृष्ण युद्ध भूमि में भ्रम और कठिनाई से जूझ रहे अर्जुन को साहस, स्पष्टता और निडरता का संदेश देते हैं।

कुरुक्षेत्र के विकास कार्यों को निर्धारित अवधि में पूरा करने के साथ निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर रखना होगा फोक्स: जिंदल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

लोकसभा सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि कुरुक्षेत्र के विकास कार्यों को निर्धारित अवधि के अंदर पूरा करने के साथ-साथ निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखना होगा। अगर निर्माण कार्य को अधर में छोड़ा तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। इस सीएम सिटी के हर विषय को अधिकारी गंभीरता से लें और लोगों की सेवा करके अपने कर्तव्य को पूरा करें।

सांसद नवीन जिंदल लागु सचिवालय के सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने दिशा की बैठक के एजेंडों पर विस्तार से प्रकाश डाला और जिला परिषद के सीईओ शंभू राठी ने विभागों द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति रिपोर्ट को प्रस्तुत किया। सांसद नवीन जिंदल ने सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता मनीष बब्बर की रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि कुरुक्षेत्र जिले में आगामी 10 वर्षों में पीने के पानी का संकट ना आए इसलिए अभी से ही पानी को बचाने के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया जाए। इसके साथ ही हर साल शाहाबाद मारकंडा के क्षेत्र के आसपास बाढ़ के पानी से बचाने की योजना तैयार की जाए, ताकि आने वाले समय में लोगों को बाढ़ के पानी की मार से बचाया जा सके।

सांसद नवीन जिंदल ने कचरे में आग लगाने के विषय को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल अवशेषों और कचरे में आग लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए कि सडकों पर अतिक्रमण करने और गाड़ियों को पार्क करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। सांसद नवीन जिंदल ने निर्देश दिए कि दिशा की बैठक में विभाग का मुख्य अधिकारी मौजूद रहे, ताकि योजनाओं की समीक्षा की जाए। अगर अधिकारी बिना बताए गैर हाजिर रहा तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं सांसद ने दिशा की बैठक में बिना बताए गैर हाजिर रहने पर रेलवे एलीवेटेड ट्रैक से संबंधित अधिकारी के खिलाफ शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

सांसद नवीन जिंदल ने स्पष्ट कहा कि कुरुक्षेत्र को स्वच्छता और विकास की दृष्टि से पूरे देश में जाना जाए इस उद्देश्य को जहन में रखकर अधिकारी काम करेंगे। सभी अधिकारियों को उनके अपने-अपने विभागों से सम्बन्धित विकास कार्यों और योजनाओं का भली भांति पता है इसलिए अधिकारी स्वयं विकास कार्यों को निर्धारित समय अवधि के अंदर पूरा करने के साथ-साथ निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखेंगे।

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि जिले के सभी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में इंग्लिश लर्निंग कोर्स पर काम किया जाए, सभी स्कूलों में पर्याप्त मात्रा में कमरे हो और शौचालयों की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। प्रथम सर्वे के अनुसार जिला के प्राइमरी स्कूल सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर, पानी, बिजली, लाइब्रेरी व शौचालय की उचित व्यवस्था हो। सभी सरकारी स्कूलों में हर लिहाज की सुविधाएं हों। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र को खेलों का हब बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए सबसे पहले कुरुक्षेत्र के सभी खेल स्टेडियम में बेसिक जिम बनाई जाएगी।

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि किसी भी बिल्डिंग या मार्ग को निर्माण उस क्षेत्र के विकास को दशार्ता है। इस कार्य को करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को बहुत मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे कामों को करने में क्वालिटी का विशेष ध्यान रखना चाहिए। गांव बसंतपुर की आईटीआई बिल्डिंग, बाबा बंदा सिंह बहादुर गेट शाहाबाद के निर्माण को जल्द ही पूरा करने के निर्देश दिए। सांसद नवीन जिंदल को अधिकारियों ने बताया कि सडकों की ठोल से कुरुक्षेत्र, मुर्तजापुर से चन्नारहेड़ी को अप्रैल माह में पूरा किया जाएगा। पिहोवा से अरुणाय मार्ग का कार्य पूरा हुआ और जून महीने तक पिहोवा से पटियाला मार्ग के निर्माण को पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही शहर के वीआईपी रोड के निर्माण का कार्य भी शुरू किया जा चुका है। सांसद नवीन जिंदल ने धान के सीजन में आगजनी की घटनाओं को रोकने के बेहतर प्रयास करने पर कृषि विभाग उप निदेशक डा.कर्मचंद की तारीफ की।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, एडीसी विवेक आर्य, एसडीएम अनुभव मेहता, एसडीएम अनिल दून, डीएमसी अमन कुमार, सीईओ केडीबी पंकज सेतिया, सीईओ जिला परिषद शंभू राठी, जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संपादकीय

ग्लोबल ऑयल क्राइसिसः क्यों हर बार गरीब देशों पर पड़ती है सबसे भारी मार

वैश्विक अर्थव्यवस्था में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक उछाल, जिसे आमतौर पर 'ऑयल शॉक' कहा जाता है, एक ऐसी घटना है जो आर्थिक संतुलन को झकझोर कर रख देती है। इतिहास गवाह है कि जब-जब तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है, तब-तब वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। हालांकि इसका प्रभाव सभी देशों पर पड़ता है, लेकिन गरीब और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं इस झटके को सबसे ज्यादा तीव्रता से महसूस करती हैं। इसके पीछे आर्थिक ढांचे की कमजोरियां, आयात निर्भरता और सीमित संसाधन जैसे कई कारण हैं। तेल आज भी दुनिया की ऊर्जा जरूरतों का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। परिवहन, बिजली उत्पादन, कृषि, विनिर्माण-हर क्षेत्र में इसका व्यापक उपयोग होता है। ऐसे में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो यह वृद्धि केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर असर डालती है। इससे वस्तुओं और सेवाओं की लागत बढ़ती है, जो अंततः महंगाई के रूप में आम लोगों तक पहुंचती है। गरीब देशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनकी ऊर्जा आयात पर निर्भरता है। कई विकासशील अर्थव्यवस्थाएं अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करती हैं। जब वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं, तो इन देशों का आयात बिल तेजी से बढ़ जाता है। इससे चालू खाता घाटा बढ़ता है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव आता है। परिणामस्वरूप, स्थानीय मुद्रा कमजोर होती है, जिससे आयात और महंगा हो जाता है और महंगाई का दुष्चक्र शुरू हो जाता है। महंगाई का सबसे ज्यादा असर समाज के गरीब और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इन वर्गों की आय का बड़ा हिस्सा पहले ही भोजन, ईंधन और अन्य आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है। जब ईंधन महंगा होता है, तो परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों में भी वृद्धि होती है। इस स्थिति में गरीब परिवारों के लिए जीवनयापन और कठिन हो जाता है, जिससे गरीबी और असमानता बढ़ने का खतरा रहता है। सरकारों के सामने भी इस दौरान गंभीर वित्तीय चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। कई विकासशील देश ईंधन पर सब्सिडी देकर जनता को राहत देने की कोशिश करते हैं। लेकिन जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो यह सब्सिडी सरकार के बजट पर भारी बोझ बन जाती है। ऐसे में सरकारों को या तो सब्सिडी घटानी पड़ती है या फिर अन्य सामाजिक और विकास योजनाओं में कटौती करनी पड़ती है। दोनों ही विकल्प आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से नुकसानदायक होते हैं। तेल झटके का असर केवल महंगाई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह आर्थिक विकास की गति को भी प्रभावित करता है। बढ़ती ऊर्जा लागत के कारण उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम होती है। छोटे और मध्यम उद्योग, जो पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर होते हैं, इस दबाव को झेलने में असमर्थ रहते हैं। इससे उत्पादन घटता है, निवेश में कमी आती है और रोजगार के अवसर प्रभावित होते हैं। विकासशील देशों के लिए एक और बड़ी चुनौती यह है कि उनके पास ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों में निवेश करने की सीमित क्षमता होती है। जबकि विकसित देश सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं, गरीब देशों की ऊर्जा संरचना अभी भी पारंपरिक ईंधनों पर आधारित है। इससे वे वैश्विक तेल बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील बने रहते हैं। हाल के वर्षों में वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। युद्ध, प्रतिबंध, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और उत्पादन में कटौती जैसे कारकों ने तेल की कीमतों में अस्थिरता को बढ़ाया है। इस तरह की अनिश्चितता गरीब देशों के लिए विशेष रूप से हानिकारक होती है, क्योंकि उनके पास जोखिम प्रबंधन के पर्याप्त साधन नहीं होते। कई देशों को बढ़ती लागत के कारण कर्ज लेना पड़ता है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति और कमजोर हो जाती है। इस परिप्रेक्ष्य में, तेल झटकों का समाधान केवल तात्कालिक उपायों से संभव नहीं है। इसके लिए दीर्घकालिक और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, विकासशील देशों को अपनी ऊर्जा नीति में विविधता लानी होगी। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश बढ़ाना आवश्यक है, ताकि तेल पर निर्भरता कम की जा सके। इसके साथ ही, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी सुधार और नीतिगत समर्थन जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विकसित देशों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों को चाहिए कि वे विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करें। इससे न केवल ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना भी आवश्यक है। सरकारों को ऐसे उपाय अपनाने चाहिए, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों को महंगाई के प्रभाव से बचाया जा सके। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, लक्षित सब्सिडी और रोजगार सृजन जैसी नीतियां इस दिशा में सहायक हो सकती हैं। अंततः, तेल झटका केवल एक आर्थिक चुनौती नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए भी खतरा बन सकता है। बढ़ती महंगाई, घटती आय और सीमित अवसर सामाजिक असंतोष को जन्म दे सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकारें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय मिलकर इस समस्या का समाधान खोजें और एक अधिक संतुलित और टिकाऊ वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की दिशा में कदम बढ़ाएं।

भाजपा, संकल्प और राष्ट्रवाद

मृत्युंजय दीक्षित (हि.स)

वर्ष 2014 में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद से लेकर अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में भाजपा अपने सभी संकल्पों को गंभीरता के साथ पूर्णता की ओर ले जाने के लिए अग्रसर है। भाजपा ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक किए गए कई संकल्प पूर्ण किए हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि स्थल पर दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण कराना। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया जाना। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय से चल रहा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक भी कानून बन चुका है। भाजपा के सभी संकल्पों में राष्ट्रवाद की झलक है।

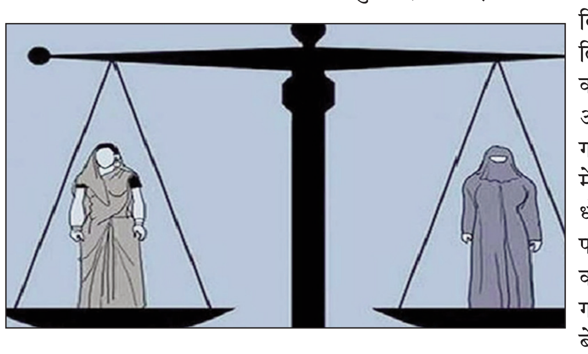

सामान नागरिक संहिता भी भारतीय जनता पार्टी का एक संकल्प है, जो चरणबद्ध रूप से सिद्धि की दिशा में बढ़ रहा है। पहले समान नागरिक संहिता कानून भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड में सफलतापूर्वक लागू हुआ अब उसकी सफलता का गहन अध्ययन करने के बाद गुजरात भी ऐसा दूसरा राज्य बन गया है जहां सामान नागरिक संहिता लागू की गई है। विगत विधानसभा चुनाव से पूर्व गुजरात भाजपा के संकल्प पत्र में सामान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया गया था और इसके लिए एक समिति भी बना दी गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी लाल किले के संबोधन से भारतीय जनमानस के लिए समान नागरिक संहिता की बात कर चुके हैं। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने भी एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि अगर मुस्लिम महिलाओं को भी समान अधिकार प्राप्त करने हैं तो अब समय आ गया है कि देश की संसद समान नागरिक संहिता पर विचार करे और कानून बनाए। गुजरात विधानसभा में सात घंटे की लंबी चर्चा के बाद यह विधेयक पारित हुआ। इस पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सदस्यों ने इस विधेयक को मुस्लिम विरोधी करार देते हुए कहा कि भाजपा यह विधेयक जानबूझ कर चुनाव से पहले जल्दबाजी में लेकर आई है ।

इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद गुजरात में विभिन्न जातियों, धर्मों और सम्प्रदायों के लिए लोगों के लिए विवाह, तलाक, पिता की संपत्ति में महिलाओं की हिस्सेदारी और लिव - इन रिलेशनशिप को लेकर समान नागरिक संहिता कानून लागू हो जाएगा।विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक प्रस्तुत करते समय मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न वर्गों और धर्मों के बीच कानूनी भेदभाव को समाप्त करना है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजातियों के पुरुषों और महिलाओं पर यह कानून लागू नहीं होगा लेकिन मुस्लिम समुदाय के लिए पर्सनल लॉ को समाप्त किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की समान नागरिक संहिता कानून की आवश्यकता पर दिए गए बयान का उल्लेख करते हुए सदन में कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी विभिन्न धर्मों और समाजों के लोगों के नागरिक अधिकारों के साथ भेदभाव हो रहा है। इस कानून का उद्देश्य विवाह, तलाक, पिता की संपत्ति, भरण पोषण और लिव इन रिलेशनशिप के कानूनों में एकरूपता लाना है। इस विधेयक में विवाह, तलाक और लिव इन रिलेशनशिप का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। इस विधेयक में पहचान छिपाकर धोखे से विवाह करने पर सात वर्ष की सजा का प्रावधान किया गया है ताकि किसी बेटी को धोखा देकर उसका जीवन खराब न किया जा सके।

समान नागरिक संहिता कानून के पक्ष में कहा जा रहा हे कि इससे महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को मजबूती प्राप्त होगी। यह मुस्लिम महिलाओं को कानूनी सुरक्षा देगा। कानून लागू हो जाने के बाद इसके लागू होने के दिन से लिव -इन में रहने वाली महिलाओं को भी पहचान मिल सकेगी। सरकार यह स्पष्ट रूप से कह रही है कि यह किसी धर्म के खिलाफ नहीं अपितु नागरिक अधिकारों को समान बनाने के लिए है। एक प्रश्न यह उठाया जा रहा है कि जब यह समान नागरिक संहिता कानून है तो फिर इसमें आदिवासी समाज को क्यों अलग किया गया है? समान नागरिक संहिता का कांग्रेस विरोध कर रही है। रही बात कांग्रेस और विपक्ष के विरोध की तो वह तो पूरी तरह से मुस्लिम लीगी माओवादी हो चुका है। विपक्ष का कोई भी वक्तव्य सिर्फ वोट बैंक और तुष्टिकरण के लिए ही होता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हिन्दू अनुभूति के महानायक हैं श्रीराम

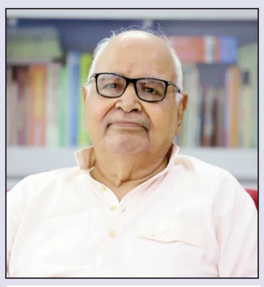

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

'इतिहास' पक्षपातपूर्ण नहीं होता। वह निष्पक्ष और निर्मम होता है। निर्मम का अर्थ है मेरा नहीं, इदं न मम। निष्पक्ष। जहां मम है, मेरा है, वहां पक्षपात है। लेकिन 'श्रद्धा' असम्भव पर विश्वास है। श्रद्धा का विकास शून्य से नहीं होता। वह इतिहास से तथ्य लेती है। संस्कृति की कसौटी पर कसती है। 'लोक' समर्थन करता है, विश्वास की सीमाएं फैलती हैं। विश्वास 'अंधविश्वास' जैसा दिखाई पड़ सकता है, लेकिन तर्क और विज्ञान की कसौटी महत्वपूर्ण है। हिन्दू-श्रद्धा का आधार दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण है।

हिन्दू अनुभूति में राम, कृष्ण और शिव त्रिदेव हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भारतीय श्रद्धा ने उन्हें- इतिहास में खोजा। उन्हें भगवान भी माना। डॉ. राममनोहर लोहिया भारत के लोकमन की थाह ले चुके थे। लोहिया ने राम, कृष्ण और शिव को भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्नों की संज्ञा दी। "राम की पूर्णता मर्यादित व्यत्तित्व में है, कृष्ण की उन्मुक्त या सम्पूर्ण व्यत्तित्व में और शिव की असीमित व्यत्तित्व में, लेकिन हर एक पूर्ण है।" (राम, कृष्ण और शिवः लोहिया, पृ. 4) डॉ. लोहिया समाजवादी थे। डॉ. रामविलास शर्मा मार्क्सवादी थे। महाभारत के सम्बंध में डॉ. शर्मा की टिप्पणी दिलचस्प है, "महाभारत इतिहास है, आख्यान है.... आधुनिक अर्थ में वह इतिहास नहीं है, लेकिन इतिहास से भिन्न भी नहीं है।" फिर आगे कहा, "ऋग्वेद में जो समाज-व्यवस्था है, ऋग्वेद और रामायण के समाजों से महाभारत का समाज पिछड़ा हुआ है।" (भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश)। यहां एक समाज ऋग्वेद का है, एक रामायण का और बाद का समाज महाभारत का है। श्रीराम और रामायण का समाज ऋग्वेद के बाद है, महाभारत के पहले है। राज्य-व्यवस्था भी विकसित है।

भारत के ज्ञात इतिहास, पौराणिक अनुश्रुति के अनुसार वैवस्वत मनु पहले आर्य राजा थे। उनके बड़े पुत्र थे इक्ष्वाकु। मनु और इक्ष्वाकु ऋग्वेद में भी हैं। इक्ष्वाकु अयोध्या के राजा थे। इक्ष्वाकु के 19 पीढ़ी बाद मान्धाता चक्रवर्ती राजा हुए। उनका पुत्र पुरुकुत्स अयोध्या का राजा बना। पुरुकुत्स के 11 पीढ़ी बाद दानवीर राजा हरिश्चन्द्र का शासन आया। 41वीं पीढ़ी में राजा सगर और 45वीं में चक्रवर्ती सम्राट भगीरथ। इक्ष्वाकु वंश के बाद 60वीं पीढ़ी में दिलीप, फिर दिलीप का पोता रघु और भी प्रतापी राजा हुआ। रघु के कारण ही 'रघुवंशी' शब्द चला। रघु के पुत्र अज, अज के पुत्र दशरथ और दशरथ के पुत्र श्रीराम। श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की 65वीं पीढ़ी में थे।

वाल्मीकि ने इन्हीं श्रीराम को अपना नायक बनाया। रामायण अस्तित्व में आई। वाल्मीकि 'आदर्श मनुष्य' का चित्रण कर रहे थे। वाल्मीकि के श्रीराम मनुष्य हैं और ईश्वर भी हैं। लेकिन मनुष्य ज्यादा हैं। तुलसीदास के राम ईश्वर हैं, वे मनुष्य रूप में लीला करते हैं। राम सबको भाए। श्रीराम का चरित्र और व्यक्तित्व विश्वव्यापी बना। संस्कृत और प्राकृत सहित भारत और विश्व की तमाम भाषाओं में रामकथाएं लिखी गईं। तमिल कवि कम्बन ने 11वीं सदी में ही रामकथा लिखी। मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया में भी रामायण राष्ट्रीय महत्व वाला ग्रंथ है। भारतीय इतिहास के सबसे बड़े लोकप्रिय नेता महात्मा गांधी भारत में 'रामराज्य' के ही स्वप्नद्रष्टा बने।

लोहिया के अनुसार 'राम' उत्तर और दक्षिण की एकता के देवता हैं और 'रामायण' उत्तर-दक्षिण एकता का ग्रंथ। उन्होंने कहा, "राम की पूर्णता मर्यादित व्यत्तित्व में है। उन जैसा मर्यादित जीवन कहीं और नहीं, न इतिहास में, न कल्पना में। श्रीराम समन्वय के प्रतीक हैं। न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक हैं। राम आनंद-सागर हैं, हिलोरे लेने वाला सागर नहीं, विश्रांत-निस्पंद।" लोहिया को तुलसी का 'रामचरित मानस' मोहित करता था। एक-एक चौपाई आनंद का सागर है।

'रामराज्य' विश्व में अद्वितीय है। वैदिककाल से लेकर आधुनिक काल की किसी राज्यप्रणाली में रामराज्य के आदर्श नहीं मिलते। तुलसी लिखते हैं, "बयरु न कर काहू सन कोई, राम प्रताप विषमता खोई।" (रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड) फिर कहते हैं, "अल्प मृत्यु नही कौनिऊ पीरा, सब सुन्दर सब बिरुज शरीरा। नहि दरिद्र कोऊ दुखी न दीना, नहि कोऊ अबुध न लच्छन हीना। न अल्पमृत्यु है, न बीमारियां। सब स्वस्थ हैं। कोई गरीब और दुःखी नहीं है। न कोई मूर्ख है और न अगुणी।" सबसे दिलचस्प बात यह है, "बिधु महि पूर मयूखन्हि, रबि तप जेतन्हि काज"- चन्द्रमा धरती को प्रकाश से पूर्ण करता है, सूर्य उतना ही तपते हैं, जितना जरूरी होता है। फिर वर्षा के बारे में कहते हैं, "मांगे वारिधि देहि जल, रामचन्द्र के राज- बादल इच्छा करते ही, जल माँगते ही बरस पड़ते हैं।"

रामचरितमानस की प्रगतिशीलता सांस्कृतिक परम्परा से संवाद करती है। यह 'विधि निषेधमय कलिमय हरनी' (बालकाण्ड) है, इसमें विधि-निषेध (करणीय और अकरणीय) की सूची है। वेदों की परम्परा है, उपनिषदों का दर्शन है। सगुण भक्ति-उपासना है। निर्गुण-निराकार की सरल व्याख्या है। अद्वैत दर्शन भी है, "एक दारुगत देखिए एकू, पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू- जैसे लकड़ी के भीतर निराकार अग्नि छिपी रहती है, दिखाई नहीं पड़ती, लेकिन जलते समय अग्नि प्रकट रहती है।" प्रकट अग्नि सगुण है, अप्रकट अग्नि निर्गुण है। ऋग्वेद में अग्नि से ऐसी ही प्रार्थना है। उपनिषदों वाले ब्रह्म की तुलसी की चौपाई ठेठ अवधी भाषा में है "व्यापकु एकु ब्रह्म अविनाशी, सत चेतन घन आनंद वासी।" (बालकाण्ड) लेकिन तुलसी भक्तिमार्गी हैं, "निरगुन तें एहि भांति बड़, नाम प्रभाऊ अपार"- वे नाम का प्रभाव निर्गुण और सगुण से भी बड़ा बताते हैं, "कहहुं नाम बड़ नाम राम तें निज विचार अनुसार।" यहां राम का नाम सगुण राम से भी बड़ा है। "राम नाम वाणी है। मन संकल्प है। ध्यान है, विज्ञान है, अन्न-जल उन्हीं में है, वे तेज हैं। आकाश हैं, आशा हैं, प्राण हैं।"

मार्क्सवादीविद्वान श्रीराम को कल्पना बताते हैं। 'राम' भारत की श्रुति में, बोली में, नमस्कार और कुशलक्षेम में, प्रत्येक मंगलमुहूर्त में हैं। चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य बहुपठित विद्वान और राजनेता थे। रामकथा पर वे भी सम्मोहित थे। उन्होंने तमिल में 'तिरुगमन-रामायण' लिखी। इसका हिन्दी अनुवाद उनकी पुत्री और महात्मा गांधी की पुत्र-बहू लक्ष्मी देवदास गांधी ने किया। राजाजी ग्रन्थ की भूमिका में लिखते हैं, "सियाराम, हनुमान और भरत को छोड़कर हमारी कोई गति नहीं। उनकी कथा हमारे पूर्वजों की धरोहर है। हम आज उसी के आधार पर जीवित हैं।" (हिन्दी अनुवाद, पृ. 7) यहां 'इसी के आधार पर हम जीवित हैं' वाक्य पर गौर करना चाहिए। भारत का राष्ट्रजीवन अखण्ड रामायण है। अविभक्त है।

हिन्दू अनुभूति के महानायक हैं श्रीराम। वे दिक्काल में हैं और दिक्काल के परे भी। भारतीय जनता के चित्त, आचार-व्यवहार पर श्रीराम का प्रभाव है। श्रीराम 'मंगल भवन' हैं और 'अमंगलहारी' भी। वे भारत के मन में रमते हैं। मिले तो राम-राम, अलग हुए तो राम-राम। राम का नाम हमसब बचपन से सुनते आए हैं। वे संकट के धैर्य हैं। वे परम शक्तिशाली हैं। भाव-श्रद्धा में वे ईश्वर हैं। राम तमाम असंभवों के संभव हैं। युद्ध में अजेय पौरुष-पराक्रम और निजी जीवन में मयार्दा के पुरुषोत्तम। श्रीराम भारतीय आदर्श व आचरण के शिखर हैं। भारतीय मनीषा ने उन्हें ब्रह्म या ईश्वर जाना है। श्रीकृष्ण भी विष्णु के अवतार हैं। वे अर्जुन को गीता (10.31) में बताते हैं "पवित्र करने वालों में मैं वायु हूं और शस्त्रधारियों में राम हूं।" राम महिमावान हैं। श्रीकृष्ण भी स्वयं को राम बताते हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज घर में किसी शुभ या मांगलिक आयोजन की संभावना बन रही है, जिससे माहौल सकारात्मक रहेगा। हालांकि मन में कई विचारों के चलते थोड़ी अस्थिरता महसूस हो सकती है। पहले दिया गया उधार वापस पाने में देरी हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज आपके ऊपर नई जिम्मेदारियाँ आ सकती हैं, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे। धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है। एकाग्रता के साथ किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः परिवार के कुछ सदस्यों के व्यवहार से मन थोड़ा आहत हो सकता है। दांतों से संबंधित समस्या परेशान कर सकती है, इसलिए सावधानी रखें। राजनीति या प्रशासन से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। विद्यार्थियों को मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आज व्यवसाय में बिक्री बढ़ने से खुशी का माहौल रहेगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आपका व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा और आपकी सराहना होगी। पारिवारिक व्यापार में लाभ मिलने की संभावना है। कुल मिलाकर दिन उत्साह और सफलता से भरा रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः जीवनसाथी के अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें। मांसपेशियों में दर्द या थकान महसूस हो सकती है, जरूरत पड़े तो डॉक्टर की सलाह लें। कामकाज में व्यस्तता बढ़ेगी और बेहतर परिणाम के लिए अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः आज आप हल्के-फुल्के और शांत मूड में रहेंगे। अविवाहित लोगों के लिए विवाह प्रस्ताव आ सकते हैं। इंजीनियरिंग या तकनीकी क्षेत्र के छात्रों को नौकरी मिलने के योग हैं। लेखन और रचनात्मक कार्यों में वृद्धि होगी। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः रुके हुए कार्य आज गति पकड़ सकते हैं। अपने लक्ष्य पर फोकस बनाए रखें। मित्रों का सहयोग मिलेगा, इसलिए मदद करने से पीछे न हटें। फिल्म या क्रिएटिव इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। किसी बड़े निर्णय से पहले वरिष्ठों की सलाह लेना लाभकारी रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आपका सकारात्मक व्यवहार दूसरों के लिए प्रेरणादायक साबित होगा। व्यापार में जोखिम लेने से बचें। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। नए काम की शुरूआत के लिए दिन अनुकूल है। धार्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

धनुः कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाएगा। तनाव लेने से स्वास्थ्य, विशेषकर डायबिटीज के मरीजों को परेशानी हो सकती है। वैवाहिक संबंधों में थोड़ी दूरी आ सकती है। किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। पुराने अटके हुए काम फिर से शुरू हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकरः घर में किसी खास मेहमान का आगमन हो सकता है। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। व्यवसाय में बड़ी सफलता मिलने के संकेत हैं। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि संभव है। दोस्तों के साथ पुराने मतभेद दूर होंगे और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आप कठिन समस्याओं का व्यावहारिक समाधान निकालने में सफल रहेंगे। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। कुछ लोग आपकी सफलता से ईर्ष्या कर सकते हैं, लेकिन आपको प्रभावित नहीं होना चाहिए। *(सिटी दर्पण)*

मीनः आज कार्यक्षेत्र में सभी काम सुचारु रूप से पूरे होंगे। नए कार्यों में सफलता मिलने के प्रबल योग हैं। संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ हो सकता है। पढ़ाई में मन लगेगा और अच्छे परिणाम मिलेंगे। दोस्तों से मुलाकात होगी और बच्चों के प्रति स्नेह बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

वैश्विक ऊर्जा संकट 1970 के दशक से भी भयंकर और भारत!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

पश्चिम एशिया में अमेरिकाझइजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को अभूतपूर्व संकट में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल द्वारा दी गई चेतावनी कि यह संकट 1970 के दशक के तेल संकट से भी अधिक गंभीर हो सकता है, वर्तमान स्थिति की भयावहता को रेखांकित करती है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को अस्थिर कर दिया है, जिससे ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता चरम पर पहुंच गई है।

इतिहास में पीछे जाएं और 1970 के दशक को देखें तो ध्यान में आता है कि उस दौरान भी तेल संकट मुख्यतः उत्पादन में कटौती और राजनीतिक दबावों के कारण उत्पन्न हुआ था, किंतु उस तुलना में वर्तमान संकट कहीं अधिक जटिल है। इसमें सैन्य संघर्ष, समुद्री मार्गों पर खतरा, साइबर और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई आयाम शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई सख्त चेतावनी कि यदि ह्यहोर्मुज जलडमरूमध्यह्न को नहीं खोला गया तो ईरानी ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जाएगा ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया है।

इसी के समानांतर, इजराइल ने भी अपने सैन्य अभियानों को तेज किया है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। मिसाइल हमलों और जवाबी कार्रवाई ने वैश्विक ऊर्जा प्रवाह को भी बाधित किया है। जबकि ये सर्वविदित है कि ह्यहोर्मुज जलडमरूमध्यह्न विश्व के कुल तेल और गैस परिवहन का लगभग 20 फीसद वहन करता है। इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल। वर्तमान संघर्ष के कारण कई टैंकर इस मार्ग से गुजरने में असमर्थ रहे हैं और सैकड़ों जहाज खाड़ी में लंगर डाले प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस स्थिति के चलते वर्तमान में ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, परिवहन लागत में वृद्धि और वैश्विक मुद्रास्फीति के बढ़ने का भी संकेत लगतार मिल रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) सदस्य देशों ने 40 करोड़ बैरल तेल अपने रणनीतिक भंडार से जारी करने का निर्णय लिया है। यह कदम बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने का प्रयास है, किंतु यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो यह उपाय भी सीमित साबित हो सकता है।

भारत के लिए चुनौती और अवसर

भारत, जोकि अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इस संकट से सीधे प्रभावित होने वाला देश है। फिर भी, इस संकट के दौरान भारत ने जिस प्रकार बहुस्तरीय रणनीति अपनाई है, वह उल्लेखनीय है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कूटनीति, सैन्य तैयारी और आर्थिक प्रबंधन का संतुलित समन्वय प्रस्तुत किया है। जहां कई देश केवल प्रतिक्रिया देते नजर आए, वहीं भारत ने सक्रिय नीति अपनाते हुए संकट को अवसर में बदलने का प्रयास किया।

भारत ने इस पूरे संघर्ष में किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संतुलित कूटनीति अपनाई। ईरान, खाड़ी देशों और पश्चिमी शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखते हुए भारत ने अपने जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित किया। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। साथ ही, वैश्विक मंच पर भारत की छवि एक जिम्मेदार और विश्वसनीय शक्ति के रूप में मजबूत हुई।

भारत ने संकट के शुरूआती चरण में ही अपनी नौसेना को सक्रिय कर दिया। संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में एस्कॉर्ट ऑपरेशन चलाए गए, जिससे भारतीय टैंकरों को सुरक्षित मार्ग मिल सका। ह्यजग लाडकीह्न, ह्यशिवालिकह्न और ह्यनंदा देवीह्न जैसे टैंकरों की सुरक्षित वापसी इस रणनीति की सफलता का प्रमाण है। इन जहाजों के माध्यम से कच्चे तेल और एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई, जिससे देश में ऊर्जा संकट टल गया।

एक तरह से देखा जाए तो ऊर्जा संकट के दौरान सबसे बड़ा खतरा आपूर्ति में कमी नहीं, 'घबराहट' होता है। भारत ने इसे समझते हुए आपूर्ति प्रबंधन को प्राथमिकता दी। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी, जबकि औद्योगिक उपयोग को नियंत्रित किया गया। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई की गई। परिणामस्वरूप, देश में गैस और ईंधन की व्यापक कमी या सामाजिक असंतोष देखने को नहीं मिला।

कीमत नियंत्रण और आर्थिक संतुलन

वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद भारत ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपेक्षाकृत नियंत्रित रखा। यह संभव हुआ कर नीति, वैकल्पिक स्रोतों से आयात और कुशल आपूर्ति प्रबंधन के कारण। इस नीति का सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि महंगाई पर नियंत्रण बना रहा और आर्थिक गतिविधियां बाधित नहीं हुईं। जहां कई देशों में ऊर्जा संकट ने अर्थव्यवस्था को झटका दिया, वहीं भारत अपेक्षाकृत स्थिर बना रहा।

यहां उल्लेखित है कि पिछले एक दशक में भारत ने ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। रूस, अमेरिका और अन्य देशों से आयात बढ़ाने की नीति ने इस संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका परिणाम यह हुआ कि किसी एक क्षेत्र में संकट आने के बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। यह रणनीति भविष्य के लिए भी ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत आधार तैयार करती है।

संकट प्रबंधन में डिजिटल तकनीक का उपयोग भी भारत की सफलता का एक प्रमुख कारण रहा। रियल-टाइम डेटा के माध्यम से आपूर्ति और वितरण की निगरानी की गई, जिससे त्वरित निर्णय लेना संभव हुआ। राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान किया गया। इससे संकट अराजकता में परिवर्तित नहीं हुआ और व्यवस्था बनी रही।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत एक 'संतुलनकारी शक्ति' के रूप में उभरा है। वैश्विक नेताओं द्वारा यह संकेत दिया जाना कि भारत इस संघर्ष को कम करने में भूमिका निभा सकता है, उसकी बढ़ती कूटनीतिक शक्ति का प्रमाण है। अमेरिकाझइजरायल और ईरान के बीच युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य की अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक विश्व में ऊर्जा सुरक्षा उनके प्रबंधन और रणनीतिक नियंत्रण का विषय है।

इस संकट के बीच भारत ने जिस प्रकार संतुलित कूटनीति, सैन्य तैयारी, आर्थिक नीति और प्रशासनिक दक्षता का समन्वय किया, वह एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है। भविष्य में, जैसे-जैसे वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव बढ़ेंगे, ऊर्जा सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी। ऐसे में भारत की रणनीति उसे संकट से उबारने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि कहना होगा कि उसे वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फिलहाल तो यही नजर आ रहा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

40 लाख मीट्रिक टन उत्पादन की संभावना वाले गेहूं कटाई सीजन से पहले पंजाब ने तेल आपूर्ति की तत्काल मांग उठाई, केंद्र तुरंत कार्रवाई करे: भगवंत मान

किसी चीज की कमी नहीं, घबराने की जरूरत नहीं, पर केंद्र को किसानों के लिए तेल आपूर्ति बढ़ानी चाहिए: मुख्यमंत्री

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भारत सरकार से पेट्रोल, डीजल और डीएपी खाद की बढ़ी हुई तथा निर्बाध आपूर्ति तुरंत सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पंजाब 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं की कटाई के लिए तैयार है। उन्होंने चेतावनी दी कि तेल की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की बाधा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकती है।

लोगों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी चीज की कोई कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन कटाई और अनाज की ढुलाई को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए केंद्र सरकार द्वारा समय पर कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पंजाब देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए 181 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 139 लाख मीट्रिक टन धान उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, शुक्रवार शाम को प्रधानमंत्री के साथ एक वर्चुअल बैठक के दौरान मैंने बताया कि इस वर्ष पंजाब में 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन की संभावना है। फसल की सुचारु कटाई और ढुलाई सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोल और डीजल की नियमित आपूर्ति बेहद आवश्यक है। कटाई के दौरान बड़ी संख्या में ट्रैक्टर, ट्रॉलियां, हार्वेस्टर और ट्रक इस्तेमाल किए जाते हैं, इसलिए व्यापक जनहित में तेल आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए। यह समय की मांग है कि देश की खाद्य सुरक्षा हर हाल में बरकरार रखी जाए।

लोगों को भरोसा दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इस समय राज्य में 12 से 14 दिनों का पेट्रोल और डीजल तथा लगभग छह दिनों का एलपीजी स्टॉक उपलब्ध है, जो सामान्य रूप से पूरे वर्ष समान रहता है। आपूर्ति लगातार जारी है। देश के 41 देशों के साथ आयात समझौते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर 60 दिनों का पेट्रोल-डीजल तथा 30 दिनों का एलपीजी स्टॉक पहले से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि जमाखोरी या घबराहट में खरीदारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मुख्य सचिव स्वयं आपूर्ति पर नजर रख रहे हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, गुरुवार तक एलपीजी रीफिल के लिए 71,000 अनुरोध प्राप्त हुए थे, जिनमें से 69,000 की डिलीवरी की जा चुकी है। राज्य में किसी भी प्रकार के लॉकडाउन की कोई संभावना नहीं है और सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं।

कुल 1,497 स्थानों पर जांच की गई, जिसमें 301 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कृषि और उद्योग दोनों को किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल से संबंधित समस्याओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-3321001 शुरू किया गया है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में पंजाब की भूमिका का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, वर्तमान स्थिति में पंजाब अपने गोदामों से 41 लाख मीट्रिक टन गेहूं देने के लिए तैयार है, जबकि इस वर्ष 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन की उम्मीद है। इसके अलावा, देश की सेवा के लिए पंजाब 139 लाख मीट्रिक टन धान उपलब्ध कराने के लिए भी तैयार है। राज्य ने हमेशा जरूरतमंदों और गरीबों की मदद की है। यदि देश को 181 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 139 लाख मीट्रिक टन धान की आवश्यकता है, तो इसे किसी भी समय उठाया जा सकता है। पंजाब इस समय भी देश का साथ देने की अपनी गौरवशाली परंपरा को बनाए रखेगा। तेल कीमतों के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त कर कम करने का निर्णय विश्वास बढ़ाने वाला कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को प्राथमिकता के आधार पर डीएपी खाद की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए, क्योंकि पंजाब में धान की बुवाई 1 जून से शुरू हो रही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी रीफिल की प्रतीक्षा अवधि को 45 दिनों से घटाकर शहरी क्षेत्रों के बराबर 25 दिन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, वर्चुअल बैठक के दौरान मैंने पंजाब से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। मैंने प्रधानमंत्री से अपील की कि वे कूटनीतिक माध्यमों का सक्रिय रूप से उपयोग करें, ताकि देश को किसी भी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े। भले ही हम विश्व गुरु बनने का दावा करते हैं, लेकिन आवश्यक संसाधनों को सुरक्षित करने में आत्मनिर्भरता और रणनीतिक क्षमता ही हमारी वास्तविक ताकत को दर्शाती है।

फरीदकोट नशा विरोधी अभियान में पंजाब के शीर्ष जिलों में शामिल अपराध में 37% गिरावट, लूटपाट के मामलों में 97% रिकवरी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़ /फरीदकोट

भगवंत मान सरकार के नशा विरोधी अभियान के तहत फरीदकोट जिला एक मजबूत उदाहरण बनकर सामने आया है। जिले में कुल अपराध में 37% की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि लूटपाट के मामलों में 97% रिकवरी दर हासिल हुई है। यह ₹युद्ध नशेयां विरुद्ध₹ और ऑपरेशन प्रहार के तहत लगातार चल रही कार्रवाई का परिणाम है।

फरीदकोट में यह बदलाव सख्त कार्रवाई, तकनीक आधारित निगरानी और मजबूत जनभागीदारी के संयोजन से संभव हुआ है। इन प्रयासों ने स्थानीय स्तर पर नशा नेटवर्क को कमजोर किया है और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया है। भगवंत मान सरकार का नशे के तंत्र को खत्म करने का अभियान अब जिला स्तर पर साफ दिखाई देने लगा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ग्राम रक्षा समितियों गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के साथ नियमित बैठकों से जमीनी स्तर की खुफिया जानकारी मजबूत हुई है। इसके चलते लोग अब नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों की जानकारी सक्रिय रूप से साझा कर रहे हैं, जिससे पुलिस को तेजी और सटीकता के साथ कार्रवाई करने में मदद मिल रही है। अभियान की निगरानी कर रहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रस्ढ) प्रज्ञा जैन, आईपीएस ने कहा, लोगों का पुलिस पर भरोसा बढ़ा है क्योंकि सूचनादाताओं की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है और तुरंत कार्रवाई की जाती है। हर आयु वर्ग के लोग इस अभियान में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वास नशे और अपराध के खिलाफ कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरा है।

इस बदलाव में तकनीक की भी अहम भूमिका रही है। फरीदकोट के प्रमुख स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों ने निगरानी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत किया है। ढिलवां कलां गांव में एक व्यापक सीसीटीवी नेटवर्क स्थापित किया गया है, जो लिंक सड़कों और आसपास के राजमार्गों को कवर करता है। इस प्रणाली की रियल-टाइम निगरानी गांव प्रशासन और पुलिस दोनों के पास उपलब्ध है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

स्थानीय लोगों ने भी इन प्रयासों के असर को स्वीकार किया है। गांव के सरपंच सुखजीत सिंह ने बताया कि सीसीटीवी निगरानी के जरिए नशा तस्करी से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों का समय रहते पता चल रहा है, जिससे पुलिस तुरंत कार्रवाई कर पा रही है और अपराध होने से पहले ही आरोपियों को पकड़ा जा रहा है। सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों ने भी इस बदलाव को सकारात्मक बताया है। सहारा सेवा सोसाइटी के चेयरमैन प्रवीण काला ने कहा कि सख्त कार्रवाई से जिले में नशा तस्करी के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और पुलिस के साथ लोगों का सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में क्रांति लाने हेतु एनएचएम पंजाब और जेएचपीआईईजीओ के बीच साझेदारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच के अनुरूप पंजाब में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर को और ऊंचा उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) पंजाब ने अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्था जेएचपीआईईजीओ के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी के तहत एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा प्रदान करेगा।

यह समझौता पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह की उपस्थिति में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कुमार राहुल तथा जेएचपीआईईजीओ के कंट्री डायरेक्टर डॉ. अमित अरुण शाह द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। इस समझौते बाबत जानकारी

देते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि यह साझेदारी प्रजनन, मातृ, नवजात, शिशु और किशोर स्वास्थ्य तथा पोषण (आरएमएनसीएचए+एन) सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार नवाचार-आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और राज्य को डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में तकनीकी सहायता को सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत डिजिटल और डेटा-आधारित तकनीकों के माध्यम से उच्च जोखिम गर्भावस्थाओं की समय रहते पहचान कर उनका प्रभावी प्रबंधन किया जाएगा। इससे गर्भावस्था के दौरान (एंटीनैटल), प्रसव के समय (इंट्रानेटल) तथा प्रसव के बाद (पोस्टनैटल) देखभाल को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने तकनीकी पहलुओं को उजागर करते हुए कहा कि इस पहल के तहत लाभार्थी ट्रैकिंग प्रणालियों, आईओटी सक्षम उपकरणों तथा लेबर रूम मॉनिटरिंग सिस्टम का एकीकरण किया जाएगा। इससे गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की रियल-टाइम निगरानी संभव हो सकेगी, जिससे उच्च जोखिम वाले मामलों की प्रारंभिक चरण में ही पहचान कर समय पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जा सकेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि इस सहयोग के अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता निर्माण, सघन निगरानी, सहायक पर्यवेक्षण तथा नीति स्तर पर तकनीकी सहयोग को भी प्राथमिकता दी जाएगी। ये सभी प्रयास मिलकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाने में सहायक सिद्ध होंगे और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने राजपुरा में श्रीमती बेक्टरस फूड स्पेशलिटीज की अत्याधुनिक सुविधा का किया दौरा; औद्योगिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

चंडीगढ़/राजपुरा। पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, बिजली और स्थानीय सरकारों के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज राजपुरा में श्रीमती बेक्टरस फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड की अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक विकास और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर किया। वर्ष 2018 में स्थापित और 32 एकड़ में फैली राजपुरा इकाई की मासिक उत्पादन क्षमता लगभग 6,200 टन है। इस इकाई में 2,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और 350 से अधिक महिलाओं को रोजगार सहित आजीविका के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किए गए हैं। कंपनी अपने महिला कर्मचारियों के लिए एक समर्पित हॉस्टल बनाने की योजना भी बना रही है, जिससे औद्योगिक विकास को और बढ़ावा मिलेगा। भारत के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र की अग्रणी कंपनी श्रीमती बेक्टरस फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड ने वर्ष 2026 में लगभग 2,100 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की। कंपनी देशभर में अपने 9 संयंत्रों में बिस्कुट, ब्रेड, बेकरी उत्पाद और फ्रोजन फूड सहित विभिन्न उत्पादों का निर्माण करती है। उन्नत विनिर्माण सुविधाओं में लगभग 1,500 करोड़ रुपये के निवेश के साथ कंपनी 70 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करती है और 900 से अधिक वितरकों के नेटवर्क के माध्यम से 5.5 लाख से अधिक रिटेल आउटलेट्स तक अपनी पहुंच बनाए हुए है। वर्तमान में यह कंपनी पंजाब में दूसरा सबसे बड़ा बिस्कुट निमार्ता है, जिसका बाजार में 14 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। दौरे के दौरान मंत्री संजीव अरोड़ा ने विभिन्न विशेष विनिर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया और उच्च स्तरीय कारीगरी, ऑटोमेशन तथा गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन की सराहना की। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप बेक्टर ने पंजाब के औद्योगिक वातावरण में पूरा विश्वास व्यक्त किया।

भगवंत मान सरकार की शिक्षा क्रांति को भरपूर समर्थन; मेगा पीटीएम में 18 लाख से अधिक अभिभावकों की भागीदारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब शिक्षा क्रांति अभियान के तहत छात्रों के सीखने के परिणामों को और बेहतर बनाने के लिए सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों के अंतर्गत पंजाब सरकार द्वारा सभी सरकारी प्राइमरी, मिडिल, हाई और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में राज्य स्तरीय मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) आयोजित की गई। इस दौरान एक ही दिन में 18 लाख से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया, जिससे यह देश के सबसे बड़े स्कूल-समुदाय सहभागिता अभियानों में शामिल हो गया। मेगा पीटीएम के बारे में जानकारी साझा करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सभी सरकारी स्कूलों में स्टूडेंट एब्सेंट अलर्ट एसएमएस सिस्टम लागू करने की योजना की जानकारी दी, जिसका

उद्देश्य नियमित उपस्थिति बढ़ाना और शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना है। एसएमएस अलर्ट अभिभावकों को उनके बच्चों की अनुपस्थिति के बारे में सूचित करेंगे। यह कदम जवाबदेही को बढ़ावा देगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा, अभिभावकों को संरचित दिशा-निर्देशों और संवाद के माध्यम से इस एसएमएस सिस्टम के बारे में जागरूक किया गया। मेगा पीटीएम केवल रिपोर्ट कार्ड वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास पर विस्तृत फीडबैक प्रदान करती है। स्कूलों ने अभिभावकों के स्वागत के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार किया, प्रदर्शनियों के माध्यम से विद्यार्थियों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया और किशोरियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एचपीवी टीकाकरण पर विशेष ध्यान दिया। मेगा पीटीएम को राज्य के शिक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए स हरजोत सिंह बैंस ने कहा, सभी सरकारी स्कूलों ने इस पूरे दिन को विशेष रूप से अभिभावक-शिक्षक-विद्यार्थी संवाद के लिए समर्पित किया और कक्षाओं को नियमित पढ़ाई से हटाकर सार्थक बातचीत और सहभागिता के केंद्रों में बदल दिया, ताकि एक जवाबदेह और समावेशी सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली विकसित की जा सके। उन्होंने कहा कि पंजाब शिक्षा क्रांति केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्कूलों और परिवारों के बीच मजबूत साझेदारी स्थापित करने का प्रयास है। जब अभिभावक और शिक्षक मिलकर काम करते हैं, तो हर बच्चे को इसका लाभ मिलता है। इस मेगा पीटीएम का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में इस साझेदारी को और मजबूत करना है। उन्होंने आगे कहा, पीटीएम ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश अभियान को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य किया, जिसमें मिशन समर्थ, कौशल शिक्षा और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की गई।

संक्षिप्त-समाचार

गैंगस्टरों ते वार का 67वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 526 स्थानों पर छापेमारी; 214 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई निर्णायक ह्लगैंगस्टरों ते वारह्व मुहिम के 67वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के पहचाने गए और मैप किए गए 526 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि ह्लगैंगस्टरों ते वारह्व पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने की एक निर्णायक मुहिम है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने की थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 67वें दिन पुलिस टीमों ने 214 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 17,482 हो गई है। सके अलावा 64 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 103 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 2 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं।

विश्व प्रसिद्ध रेसलर ग्रेट खली ने नेक्सस एलांते मॉल स्थित इमैजिन स्टोर का किया दौरा

चंडीगढ़ ।विश्व प्रसिद्ध रेसलर ग्रेट खली ने आज चंडीगढ़ के नेक्सस एलांते मॉल में हाल ही में खुले इमैजिन स्टोर का दौरा किया। उनके पहुंचते ही मॉल में मौजूद प्रशंसकों और ग्राहकों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान ग्रेट खली ने स्टोर में मौजूद ग्राहकों से मुलाकात की, उनसे बातचीत की और कई प्रशंसकों को ऑटोग्राफ भी दिए। बड़ी संख्या में लोगों ने उनके साथ सेल्फी लेकर इस खास पल को यादगार बनाया। स्टोर के दौरे के दौरान उन्होंने इमैजिन स्टोर द्वारा भारत में एप्पल के उत्पादों को उपलब्ध कराने की सराहना की। उन्होंने कहा कि आईफोन, आईपैड और अन्य आधुनिक तकनीकी उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाने में इमैजिन स्टोर की महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्रेट खली ने इमैजिन स्टोर के एमडी और सीईओ श्रेय सेठ को इस नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि देशभर में कंपनी के लगभग 45 स्टोर होने से ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी उत्पाद और बेहतर सेवा मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आधुनिक स्टोर लोगों को नई तकनीक से जोड़ने के साथ-साथ खरीदारी का बेहतरीन अनुभव भी प्रदान करते हैं। इमैजिन स्टोर में ग्रेट खली की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास बना दिया और ग्राहकों के लिए यह एक यादगार अनुभव साबित हुआ। उनके साथ मुलाकात और तस्वीरें लेने के लिए लोगों की लंबी कतारें भी देखने को मिलीं। स्टोर प्रबंधन ने भी ग्रेट खली का स्वागत करते हुए उनके दौरे को अपने लिए सम्मान की बात बताया।

वरिष्ठ पत्रकार विक्रांत परमार ने अपना पहला उपन्यास टनल नंबर 33 का किया विमोचन

चंडीगढ़। वरिष्ठ पत्रकार विक्रांत परमार ने चंडीगढ़ प्रेस क्लब में अपना पहला उपन्यास टनल नंबर 33 का विमोचन किया। फर्न ट्री पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित यह उपन्यास स्मृतियों, रहस्य और अतीत की स्थायी उपस्थिति की जांच करता है, जिसका पृष्ठभूमि ऐतिहासिक शिमलाझ्रकालका रेलवे लाइन का रहस्यमयी वातावरण है। प्रसिद्ध शिमलाझ्रकालका रेलवे ट्रैक, जहां 103 सुरंगें हैं और कई पुरानी कहानियां जुड़ी हुई हैं, पर आधारित टनल नंबर 33 रुद्र प्रताप की कहानी है, जो एक लेखक है और अपने जीवन का मतलब ढूंढ रहा है। इसमें महादेव सिंह भी हैं, जो एक मशहूर ट्रेन ड्राइवर हैं और माना जाता है कि वे अतीत से जुड़ा कोई रहस्यमय काम कर रहे हैं। दोनों की मुलाकात एक अजीब और डरावनी यात्रा के दौरान होती है, जो आगे चलकर यादों, इतिहास और उन अनदेखी ताकतों की खोज में बदल जाती है, जो पहाड़ों में चुपचाप लोगों की जिंदगी को प्रभावित करती हैं। विमोचन के दौरान परमार ने बताया कि टनल नंबर 33 के रहस्य ने उन्हें बचपन से ही आकर्षित किया है। शिमला में पले-बढ़े होने के कारण वे लंबे समय से रेलवे लाइन और उसकी सुरंगों से जुड़ी कहानियों के साथ-साथ उनके आसपास की अलौकिक लोककथाओं की ओर खिंचे रहे हैं। इस उपन्यास में उनकी ये व्यक्तिगत स्मृतियां कल्पना के साथ मिलकर एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो स्थान और भावनाओं से गहराई से जुड़ा है।

स्वर्ण मंदिर के पास 150 कमरों वाला प्रीमियम आतिथ्य प्रोजेक्ट, लगभग 350 नौकरियां पैदा करेगा; पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा बड़ा बढ़ावा: संजीव अरोड़ा

पंजाब में निवेश की रफ्तार जारी: अमृतसर के लिए 400 करोड़ रुपये के ट्राइडेंट होटल प्रोजेक्ट की घोषणा: संजीव अरोड़ा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज यहां बताया कि ओबेरॉय ग्रुप और स्प्रिंगएज सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अमृतसर में एक विश्वस्तरीय आतिथ्य परियोजना के विकास के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जो पंजाब के पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन देगा। इस समझौते पर दोनों पक्षों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए, जिनमें ओबेरॉय ग्रुप के कॉर्पोरेट और कानूनी मामलों के अध्यक्ष श्री आर. शंकर तथा स्प्रिंगएज सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक डॉ. शाहबाज सिंह, डॉ. अवतार सिंह और डॉ. अमनदीप कौर शामिल थे। इस अवसर पर प्रशासनिक सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य, पंजाब स गुरकिरत किरपाल सिंह भी उपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि यह 150 कमरों वाला आगामी प्रोजेक्ट ओबेरॉय ग्रुप के ट्राइडेंट ब्रांड के तहत विकसित किया जाएगा और अमृतसर-तरणतारण रोड पर श्री हरिमंदिर साहिब से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित होगा। लगभग 3 एकड़ में फैले इस प्रोजेक्ट में करीब 400 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे अमृतसर के प्रीमियम आतिथ्य बुनियादी ढांचे को बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि इस परियोजना से लगभग 350 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, जिससे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

अधिक जानकारी साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह आतिथ्य परियोजना ओबेरॉय ग्रुप और स्प्रिंगएज सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त सहयोग से

विकसित की जाएगी, जिसमें ओबेरॉय ग्रुप की वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त लक्जरी आतिथ्य विशेषज्ञता और स्प्रिंगएज की मजबूत स्थानीय उपस्थिति का समावेश होगा।

उल्लेखनीय है कि ट्राइडेंट ब्रांड के तहत पंजाब में यह पहला होटल होगा। वर्तमान में देशभर में ट्राइडेंट ब्रांड के अंतर्गत 9 होटल संचालित हो रहे हैं। वहीं, ओबेरॉय ग्रुप के भारत में कुल 32 होटल संचालित हैं और 10 अन्य निमार्णाधीन हैं। पंजाब में यह समूह पहले से ही न्यू चंडीगढ़ में ओबेरॉय सुखविलास स्पा रिजॉर्ट का संचालन कर रहा है।

इस संदर्भ में अमृतसर प्रोजेक्ट विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसे ट्राइडेंट ब्रांड के तहत पंजाब में इस स्तर का पहला ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इस परियोजना पर काम जुलाई 2026 में शुरू होने की संभावना है और इसे मार्च 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

पंजाब सरकार ने इन्वेस्ट पंजाब के माध्यम से इस सहयोग को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्वेस्ट पंजाब पिछले डेढ़ वर्ष से दोनों पक्षों के साथ समन्वय बनाकर उन्हें एक मंच पर लाने में सक्रिय रहा है, जो राज्य सरकार की उच्च-मूल्य निवेश आकर्षित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

उद्योग क्षेत्र में पंजाब की बढ़ती प्रगति को रेखांकित करते हुए कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि राज्य ने वर्ष 2025-26 में 59,448 करोड़ रुपये के निवेश आकर्षित किए हैं, जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक है, जिससे लगभग 1,33,221 रोजगार सृजित होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, 1 अप्रैल 2022 से अब तक पंजाब ने 1,59,947 करोड़ रुपये के निवेश आकर्षित किए हैं, जिनसे लगभग 5,57,664 रोजगार सृजन की संभावना है। यह साझेदारी पंजाब को उच्च स्तरीय पर्यटन, आतिथ्य और निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो पवित्र शहर अमृतसर की वैश्विक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को और मजबूत करेगा।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि पंजाब न केवल उद्योग बल्कि प्रीमियम पर्यटन और आतिथ्य निवेश के लिए भी तेजी से उभरता हुआ केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि इन्वेस्ट पंजाब के सक्रिय सहयोग से ऐसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट धरातल पर उतर रहे हैं और राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा दे रहे हैं।

ईरान के परमाणु ठिकानों, इजराइल के कई शहरों पर हवाई हमला

ईरान ने दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें, अमेरिकी युद्धपोत डुबोने का दावा

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान/तेल अवीव

इजराइल के शनिवार सुबह ईरान के नागरिक और परमाणु ठिकानों पर हमले पर ईरान की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। ईरान ने कहा कि इजराइल आग से खेल रहा है। उसे इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी होगी। इसके बाद ईरान ने इजराइल के आसमान पर मिसाइलों की बौछार कर दी। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

अल जजीरा और द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य इजराइल पर ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। देश के मध्य भाग में छह अलग-अलग जगहों पर इनके टुकड़े गिरे। इससे इमारतों को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण में मिसाइल को रोकने की प्रक्रिया के दौरान गिरे मलबे से दो

ईरान की चेतावनी: 'इजराइल आग से खेल रहा है'

अन्य लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं। इससे पहले ईरान ने शुक्रवार को इजराइल पर छह बार हमला किया। एक हमले में क्लस्टर बम वॉरहेड से लैस मिसाइल दागी गई। इससे एक बड़े इलाके में छोटे-छोटे बम गिरे और आग लग गई।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-इजराइल ने ईरान के कई महत्वपूर्ण परमाणु ठिकानों पर जोरदार हमले किए गए हैं। इन हमलों ने मध्य पूर्व में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। ईरान के सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, यज्द प्रांत के अरदकान में स्थित येलोकेक संयंत्र और अराक में स्थित शाहिद खोंदाब हैवी वॉटर कॉम्प्लेक्स पर हमले हुए हैं। ईरान के

फोटो: हि.स.

परमाणु ऊर्जा संगठन ने कहा है कि इन हमलों से कोई रेडियोधर्मी प्रदूषण नहीं फैला है और न ही कोई हताहत हुआ है। हालांकि, इजराइली मीडिया ने इन हमलों को ईरान के परमाणु कार्यक्रम के लिए बड़ा झटका बताया है। इन हमलों के जवाब में ईरान ने इजराइल के तेल अवीव और डिमोना जैसे क्षेत्रों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इस बीच ईरान के सशस्त्र बलों ने अमेरिका के छह सामरिक जहाजों को निशाना बनाया है। दावा किया गया है कि इस हमले में बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं। ईरान ने इस हमले में बैलिस्टिक मिसाइलों और कद्र 380 क्रूज मिसाइलों का उपयोग किया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनसंपर्क कार्यालय ने शुक्रवार देर रात जारी बयान में यह जानकारी दी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से संबद्ध अर्ध सरकारी न्यूज एजेंसी तसनीम की रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत ईरानी बलों का 84वां हमला है। आईआरजीसी की नौसेना ने अल-शुवैख बंदरगाह और दुबई के समुद्र तटों और बंदरगाह पर अमेरिकी-इजराइली सेना के खिलाफ सटीक हमले किए। हमले में अमेरिकी सैनिक मारे गए। उनके सामरिक उपकरण नष्ट हो गए।

आईआरजीसी के बयान के अनुसार, इस हमले को बैलिस्टिक मिसाइलों और कद्र 380 क्रूज मिसाइलों का उपयोग किया गया। अल-शुवैख बंदरगाह पर अमेरिका के छह लैंडिंग क्राफ्ट यूटिलिटी (एलसीयू) जहाजों को निशाना बनाया गया। इन लड़ाकू जहाजों में से तीन हमले के बाद डूब गए और बाकी जल रहे हैं। इसके साथ ही, समुद्र तट और दुबई के एक होटल में मौजूद अमेरिकी ड्रोन यूनिट के सैनिकों को ड्रोन से निशाना बनाया गया।

मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों से आठ उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

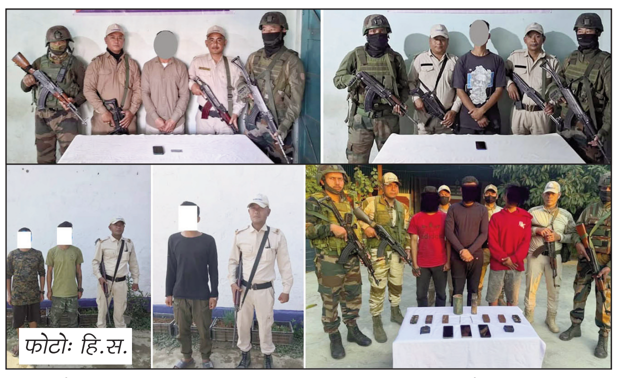
फोटो: हि.स.

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के विरूद्ध जारी अभियानों में सुरक्षा बलों को लगातार सफलता मिल रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी आधिकारिक सूचना के अनुसार राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बीते 24 घंटे के दौरान विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के कुल आठ कैडरों को गिरफ्तार किया गया है।

पहले अभियान में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (पी) के एक सक्रिय कैडर थोंगबम प्रेमजीत सिंह (49) को गिरफ्तार किया गया है। वह पश्चिम इंफाल जिले के थांगमेइबंद काबराबम लेइकाई का रहने वाला है। उसे उसके घर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित 2022 की शुरूआत में सगोलबंद ताखेलंबम लेइकाई में हुए एक बम धमाके के संबंध में इंफाल थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के मामले में आरोपित है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया। दूसरे अभियान में इसी सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर चिंगाखम नोंगपोकंगनबा मैतेई (21) को, जो इंफाल पूर्व जिले के लामलाई थानांतर्गत ताखेल अवांग लेइकाई का रहने वाला है, को उसके इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय सीमा पोस्ट 73 और 74 के बीच से प्रतिबंधित संगठन केसीपी और केवाईकेएल के एक-एक कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कैडरों की पहचान केसीपी कैडर अंगोम लेम्बा मैतेई उर्फ लिकलाईगम्बा (26) के रूप में की गयी है। वह, इंफाल पूर्व जिला के टॉप मोइरांग काम्पू का निवासी बताया गया है। उसकी केवाईकेएल कैडर युमनाम बोनी मैतेई उर्फ थैतम्बा (42) के रूप में पहचान हुई है। वह इंफाल पश्चिम जिला के काखिंगन का निवासी है। इसी कड़ी में बीते गुरुवार को सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय सीमा पोस्ट 78 और 79 के बीच से प्रतिबंधित संगठन पीएलए के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। कैडर की पहचान काकचिंग जिला के काकचिंग खुनौ निवासी चोंगथम नानाव सिंह उर्फ खुनौ (29) के रूप में की गयी है। वहीं गुरुवार को ही सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व जिले के विभिन्न इलाकों से प्रतिबंधित संगठन पीएलए/आरपीएफ के तीन कैडरों को गिरफ्तार किया।

नेपाल की नई सरकार ने ओली को गिरफ्तार कर राजनीतिक बदला लिया: सीपीएन यूएमएल

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

सीपीएन यूएमएल ने पार्टी अध्यक्ष केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में नेपाल की कमान संभालने वाले युवा नेतृत्व पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी ने कहा कि नई सरकार ने ओली को गिरफ्तार कर राजनीतिक बदला लिया है। पार्टी ने भविष्य के कदमों के लिए आपातकालीन सचिवालय बैठक आहूत की है। पार्टी सचिव महेश बस्नेत ने सोशल मीडिया पर लिखा, हालिया घटनाक्रम देश की राजनीतिक स्थिति को लेकर गंभीर चिंता पैदा करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में गृहमंत्री सुदन गुरूंग की नियुक्ति की आलोचना की। सुदन को अनुभवहीन और विवादास्पद बताया। उन्होंने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी से राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। ये कदम राजनीतिक प्रतिशोध और पक्षपात को दर्शाते हैं।

बस्नेत ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो पुलिस सरकारी संपत्ति और अपने पदों की सुरक्षा करने में विफल रही, वही लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने वाले नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए बड़ी संख्या में तैनात की गई। उल्लेखनीय है कि ओली और लेखक को आठ और नौ सितंबर 2025 की घटनाओं की जांच करने वाले गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व वाले जांच आयोग की सिफारिशों के आधार पर शनिवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार किया। है। आयोग की जांच रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि आठ सितंबर 2025 को हुए जेन जी विरोध प्रदर्शनों के दौरान तत्कालीन सरकार की लापरवाही और असावधानी के कारण 19 युवाओं की मौत हुई।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक गिरफ्तार

जेन-जी आंदोलन में छात्रों की हत्या का मामला

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल में बालेन्द्र सरकार शपथ ग्रहण के साथ पहले ही दिन से एक्शन में आ गई है। शपथग्रहण को अभी 24 घंटे भी नहीं हुए कि जेन जी प्रदर्शन के दौरान निहत्थे छात्रों की हत्या के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार कर लिया गया।

बालेन्द्र की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक ने जेन जी आंदोलन की जांच के लिए गठित आयोग के सिफारिश को लागू करने का फैसला किया। आज सुबह सूरज निकलने से पहले पहले रमेश लेखक और बाद में पूर्व प्रधानमंत्री ओली को गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओली और लेखक के साथ पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और सेना के अधिकारियों को भी दोषी ठहराया है, लेकिन सुरक्षा बलों के खिलाफ फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं लेने का निर्णय लिया गया। सरकार ने एक समिति बनाकर इनकी भूमिका की जांच कराने का फैसला किया है।

ओली और लेखक को पुलिस कल पेश करेगी अदालत में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक को आज सुबह गिरफ्तार करने के बाद स्वास्थ्य परीक्षण के लिए जिला प्रहरी परिसर काठमांडू से अस्पताल ले जाया गया। दोनों का स्वास्थ्य परीक्षण महाराजगंज शिक्षण अस्पताल में किया गया। ओली को भक्तपुर से उनके निवास से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद ओली को जिला प्रहरी परिसर काठमांडू ले जाया गया। वहां काठमांडू एसएसपी रमेश थापा पहले से मौजूद थे। रमेश लेखक को काठमांडू में उनके आवास से हिरासत में लिया गया। आज अवकाश होने के कारण दोनों को रविवार को जिला अदालत काठमांडू में पेश किया जाएगा। शुक्रवार को बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली पहली मंत्रिपरिषद की बैठक ने ओली के खिलाफ आपराधिक मामला चलाने के लिए आयोग की सिफारिश को लागू करने का निर्णय लिया था। मंत्रिपरिषद के निर्णय के बाद गृहमंत्री सुदन गुरूंग के निर्देश पर ओली और लेखक को आज सुबह गिरफ्तार किया गया।

ओली की गिरफ्तारी बदले की कार्रवाई नहीं, न्याय की शुरूआत है: गृहमंत्री सुदन

काठमांडू। नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुङ ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी बदले की कार्रवाई नहीं है। सुदन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि यह कदम न्याय की शुरूआत का संकेत है। उन्होंने लिखा, कानून से ऊपर कोई नहीं है। हमने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को हिरासत में लिया है। यह किसी के खिलाफ बदले की भावना नहीं है, बल्कि न्याय की शुरूआत है। उल्लेखनीय है कि ओली और लेखक को आज सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। । उनके खिलाफ जेन जी प्रदर्शन के दौरान निहत्थे प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोली चलाने का आदेश देने का आरोप है।

निवेश के नाम पर 12.22 लाख की ठगी, पांच साइबर ठग गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने निवेश के नाम पर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान श्रीधर दिलीप इंगले (25), आर्चिर्यान गोरक्ष कांबले (21), अजीज मिरान शेख (25), प्रणव जालिंदर गुलदगड़ (24) और विशाल दुगार्दास बाचल (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 6 मोबाइल फोन और 35 बैंक खातों का विवरण बरामद किया है, जिनका इस्तेमाल ठगी में किया जा रहा था।

दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने शनिवार को बताया कि अरुणाचल प्रदेश निवासी एक व्यक्ति, जो वर्तमान में दिल्ली में रह रहा है, ने 4 सितंबर 2025 को शिकायत दी थी कि उसे 'नेक्स्ट बिलियन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड' नामक फर्जी कंपनी के जरिए शेयर बाजार में निवेश का लालच दिया गया। आरोपित महिला और उसके साथियों ने उच्च मुनाफे का झांसा देकर उससे 12,22,670 रुपये निवेश करवा लिए। बाद में कंपनी फर्जी निकली और शिकायतकर्ता को ठगी का एहसास हुआ। मामले में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण और बैंक लेनदेन की पड़ताल में आरोपितों के महाराष्ट्र से जुड़े होने का पता चला। पुलिस टीम ने महाराष्ट्र के श्रीरामपुर में छापा मारकर मुख्य आरोपी श्रीधर को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर अन्य चार आरोपितों को भी अलग-अलग स्थानों से दबोच लिया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे कमीशन के बदले 'म्यूल बैंक अकाउंट' उपलब्ध कराते थे। ये खाते साइबर ठगी करने वाले गिरोहों को दिए जाते थे, जिनके जरिए देशभर में लोगों से ठगी की जाती थी। इस नेटवर्क का एक सदस्य दुबई में बैठा बताया जा रहा है, जो इन खातों के जरिए ठगी की रकम को आगे ट्रांसफर करता था। जांच में सामने आया है कि आरोपितों के बैंक खातों के जरिए कई करोड़ रुपये के लेनदेन हुए हैं और ये गिरोह देशभर में 18 से अधिक शिकायतों से जुड़ा हुआ है।

तीन दर्जन से ज्यादा मामलों में शामिल चोर सामान के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी जिले के प्रीत विहार थाना पुलिस ने एक शातिर चोर को चोरी के सामान के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान सोहन कालिया (30) के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि आरोपित पहले भी 35 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को बताया कि 25 मार्च, 2026 को अब्दुल अपने घर पार्क एंड कॉलोनी, विकास मार्ग पहुंचे तो देखा कि मुख्य गेट खोलने के बाद अंदर के दरवाजे के ताले टूटे हुए थे और घर से सामान गायब था। इसी दौरान उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को हरे रंग का बैग लेकर बालकनी के पास देखा। शक होने पर जब उन्होंने आवाज लगाई तो आरोपित भागने लगा। तुरंत स्थानीय लोगों और बीट स्टाफ की मदद से आरोपित का पीछा किया गया और विकास मार्ग स्थित कर्करी मोड़ के पास उसे पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से चोरी किया गया घरेलू सामान बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार इस संबंध में प्रीत विहार थाने में एफआईआर संख्या 67/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके घर से ज्वेलरी सेट, कैमरा डीवीआर, इनवर्टर-बैटरी, बाथरूम फिटिंग्स और तांबे-पीतल के बर्तन भी चोरी हुए हैं।

आसनसोल में नाका चेकिंग के दौरान विदेशी करेंसी बरामद

एजेंसी (हि.स.)
आसनसोल

आसनसोल साउथ थाना पुलिस ने शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे कालीपहाड़ी मोड़ पर नाका चेकिंग के दौरान एक कार से विदेशी मुद्रा और नकदी बरामद की। पुलिस सूत्रों के अनुसार (WB 12D/7000) नंबर की कार, जो कि कोलकाता से आसनसोल की ओर आ रही थी, को संदेह के आधार पर रोका गया। तलाशी के दौरान कार चालक के पास से चार हजार अमेरिकी डॉलर, चार हजार दीनार और लगभग डेढ़ लाख रुपये बरामद हुए। मैरून रंग की हुंडई कार में सवार चालक से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह आसनसोल में किसी के पास आया था या यहां से झारखण्ड की ओर जा रहा था।

घटना की सूचना मिलते ही आसनसोल साउथ थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे और जांच की निगरानी की। फिलहाल आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को देखते हुए व्यापक स्तर पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पश्चिम बर्दवान जिला झारखंड से सटा होने के कारण संवेदनशील माना जाता है। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र के विभिन्न नाकों पर सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में झारखंड और बिहार से आने वाले वाहनों और बसों की भी जांच की जा रही है। गुरुवार को भी नाका चेकिंग के दौरान दो बसों से लगभग 12 किलो गांजा और मोबाइल फोन बरामद किए गए थे।

संक्षिप्त-समाचार

गिरफ्तारी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री ओली अस्पताल में भर्ती

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को काठमांडू के शिक्षण अस्पताल में भर्ती किया गया है। उन्हें अस्पताल के 'एनेक्स वन' के 501 नंबर बेड पर रखा गया है। आज सुबह गिरफ्तारी के बाद स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। शुरूआत में उन्हें अस्पताल के 'रेड जोन' के 27 नंबर बेड पर रखा गया, जहां नेफ्रोलॉजी टीम के डॉक्टर रविन नेपाली सहित एक अन्य टीम ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। हृदय रोग विशेषज्ञों ने भी उनकी जांच की। अस्पताल के बयान के अनुसार, रक्त परीक्षण, वीडियो एक्स-रे सहित विभिन्न जांचों के बाद ओली को एनेक्स वन के 501 नंबर बेड में भर्ती किया गया है। 501 नंबर बेड वाले भवन में ओली को उनकी गाड़ी से ही ले जाया गया था। शिक्षण अस्पताल का 501 नंबर बेड किडनी प्रत्यारोपण वाले मरीजों के लिए आरक्षित रहता है। ओली किडनी प्रत्यारोपण करवा चुके हैं। उनका दो बार किडनी ट्रांसप्लांट भी हो चुका है।

सीवान में रामनवमी मेले में 12 वर्षीय नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी स्कूल ड्राइवर गिरफ्तार

सीवान। सीवान जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के सूर्यपुरा गांव में शुक्रवार शाम करीब 7 बजे रामनवमी के मेले के दौरान एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। परिवार के साथ मेला देखने गई 12 वर्षीय छात्रा के साथ एक मनचले युवक ने दुष्कर्म कर दिया। आरोपी पीड़िता के ही निजी स्कूल का चालक है। परिवार सहित मेला घूम रही नाबालिग से आरोपी ने धोखे से संपर्क किया। उसने लड़की से कहा कि तुम्हारे जीजा मेले में दुकान लगाए हैं और बुला रहे हैं। भोली बच्ची आरोपी के साथ चली गई, लेकिन वह उसे जीजा के पास नहीं ले गया। इसके बजाय पास के एक सुनसान स्कूल में ले जाकर उसने नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर दिया और फरार हो गया। जब परिवार को देर होने का अहसास हुआ तो वे बच्ची को खोजने लगे। बच्ची के जीजा ने बाइक से तलाश शुरू की और स्कूल के पास सुनसान जगह पर रोती हुई बच्ची को पाया। घर ले जाने पर बच्ची के कपड़े खून से भीगे हुए थे। दादी के पूछने पर बच्ची ने सारी घटना बता दी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और परिवार ने बसंतपुर थाने में सूचना दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी स्कूल ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित बच्ची को गंभीर हालत में रात में ही सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। यह घटना इसलिए भी ज्यादा चौंकाने वाली है क्योंकि आरोपी उसी निजी स्कूल का चालक था जहां पीड़िता पढ़ती है। विश्वास का यह घोर हनन समाज में आक्रोश पैदा कर रहा है। पुलिस आगे जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है। पीड़िता की हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है।

ओडिशा के नयागढ़ में पर्यटक बस हादसा पांच की मौत, 40 से अधिक घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के नयागढ़ जिले में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा दशपल्ला थाना क्षेत्र के टाकेरा के पास हनुमान घाटी में हुआ। मृतकों में बस चालक समेत चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, निजी पर्यटक बस में करीब 60 यात्री सवार थे, जो ब्रह्मपुर से हरिशंकर घूमने जा रहे थे। इसी दौरान हनुमान घाटी के पास एक तीखे मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस एक बड़े पत्थर से टकराकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कई यात्री बस से बाहर जा गिरे, जबकि 10 से अधिक लोग बस के नीचे फंस गए। सूचना मिलते ही दशपल्ला और बनिगोछा थाना पुलिस, दमकल कर्मी और एंबुलेंस मौके पर पहुंचे। बचाव दल ने गैस कटर की मदद से फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। घायलों को पहले दशपल्ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल लगभग 15 लोगों को जिला मुख्यालय अस्पताल रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे की वजह तेज रफ्तार हो सकती है। घायल यात्री सुभ्रांशु नायक ने बताया, चालक ने मोड़ पर बहुत तेज गति से बस घुमाई, जिससे बस पलट गई। कई यात्रियों को टूटी खिड़कियों से बाहर निकाला गया।

राम नवमी जुलूस के दौरान हिंसा के बाद आठ गिरफ्तार, रघुनाथगंज में धारा 144 लागू

बहरामपुर। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में शुक्रवार शाम राम नवमी जुलूस के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने शनिवार सुबह तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रघुनाथगंज में धारा 144 लागू करने के साथ ही प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार जंगीपुर और रघुनाथगंज क्षेत्र में राम नवमी के जुलूस के दौरान विवाद के बाद दो पक्षों के बीच झड़प हो गई थी। देखते ही देखते स्थिति हिंसक हो गई और दोनों तरफ से पथराव शुरू हो गया। इस दौरान कई दुकानों और संपत्तियों में तोड़फोड़ की गई और कुछ स्थानों पर आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। जानकारी के मुताबिक, रघुनाथगंज के मैकेंजी पार्क की ओर जा रहे जुलूस के दौरान संगीत बजाने को लेकर सिसातला इलाके में जुलूस में शामिल लोगों और स्थानीय निवासियों के बीच विवाद शुरू हुआ था। इसके बाद फुलतला मोड़ के पास भी पथराव की घटना हुई, जहां कथित तौर पर 150 से 200 लोगों की भीड़ ने जुलूस को निशाना बनाया। स्थिति बिगड़ने के बाद उग्र भीड़ ने आसपास की कई फलों की दुकानों में तोड़फोड़ की और उनमें आग लगा दी, जिससे इलाके में तनाव और बढ़ गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बलों को तैनात किया गया। शनिवार सुबह से ही संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त की जा रही है और शांति बनाए रखने के लिए रूट मार्च भी किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। मुर्शिदाबाद के डीआईजी अजीत सिंह यादव ने बताया कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। इलाके में पर्याप्त पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात की गई है। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और गिरफ्तारियां भी की गई हैं। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। शांति और सामान्य स्थिति बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त जारी है। हिंसा में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने रघुनाथगंज और जंगीपुर पुलिस जिले के कुछ अन्य इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के तहत धारा 144 लागू कर दी है, जिसके तहत चार या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक है।

रामनवमी जुलूस के दौरान मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर भाजपा का राज्य सरकार पर निशाना

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर क्षेत्र में रामनवमी के अवसर पर निकाले गए जुलूस के दौरान हुई हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नीतियों पर सवाल उठाए हैं।

अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि जंगीपुर स्थित मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा की घटना रामनवमी जुलूस के दौरान हुई। उन्होंने यह भी कहा कि इस जिले में मुस्लिम आबादी 70 प्रतिशत से अधिक है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य के कई सीमावर्ती जिलों की स्थिति ऐसी हो गई है जहां हिंदू समुदाय खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर नहीं होती है तो भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है जब बंगाल के हिंदुओं को नया ठिकाना तलाशना पड़े। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल के इस्लामी कारण के के अपने उद्देश्य में सफल नहीं होने दिया जाएगा और पश्चिम बंगाल की गौरवशाली विरासत को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध किया जाएगा। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं प्रशासन की ओर से जंगीपुर की स्थिति पर नजर रखे जाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की बात कही गई है।

खराब मौसम | **कोलकाता में देर से उतरा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का विमान**

आधी रात करीब एक घंटे तक आसमान में करना पड़ा इंतजार

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को शुक्रवार देर रात खराब मौसम के कारण कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरने से पहले लगभग एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाना पड़ा। तेज आंधी, बारिश और वज्रपात के कारण विमान की लैंडिंग निर्धारित समय पर नहीं हो सकी।

बताया गया है कि शाह का विमान रात 11:40 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने वाला था। मौसम अचानक खराब हो जाने के कारण पायलटों को लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी। विमान करीब 12:25 बजे कोलकाता के हवाई क्षेत्र में पहुंचा, लेकिन प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण उसे लगभग 55 मिनट तक आसमान में चक्कर लगाने पड़े।

इस दौरान विमान को सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए अलग-अलग दिशाओं में उड़ाया गया और एक बार

फोटो: हि.स.

इसे कृष्णनगर की दिशा में भी ले जाया गया ताकि मौसम सामान्य होने का इंतजार किया जा सके। अंततः मौसम में कुछ सुधार आने के बाद रात 1:20 बजे विमान को सुरक्षित उतारा गया।

बताया गया है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने की वजह से इस बार शाह अपने सामान्य आधिकारिक विमान की बजाय एक छोटे निजी विमान से कोलकाता पहुंचे। छोटे विमान के कारण खराब मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ी और पायलटों ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए लैंडिंग की।

अमित शाह की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हवाई अड्डे पर पहले से ही कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी देर रात तक हवाई अड्डे पर मौजूद रहे। इनमें राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और भाजपा नेता अमित मालवीय शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा था, जब उनका विमान भी खराब मौसम के कारण करीब डेढ़ घंटे तक हवा में रहा था। बाद में मौसम सामान्य होने पर उनका विमान सुरक्षित उतरा था। मुख्यमंत्री ने बाद में पायलटों की सतर्कता और पेशेवर दक्षता की सराहना भी की थी।

इधर, तेज आंधी और बारिश के कारण कोलकाता और आसपास के कई इलाकों में जनजीवन भी प्रभावित हुआ। कई स्थानों पर पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और यातायात प्रभावित होने की भी खबरें सामने आई हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स पर 'इंजरी' का साया धोनी शुरूआती दो हफ्तों के लिए बाहर

धोनी की मांसपेशियों में खिंचाव ने बढ़ाई 'येलो आर्मी' की धड़कनें

- मैथ्यू शॉर्ट और नाथन एलिस के बाहर होने से सीएसके का संतुलन बिगड़ा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले महेंद्र सिंह धोनी की चोट ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को बड़ा झटका दिया है। फ्रेंचाइजी द्वारा शनिवार को जारी बयान के अनुसार, धोनी टूर्नामेंट के पहले दो हफ्तों में नहीं खेल पाएंगे।

टीम ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि धोनी इस समय काफ स्ट्रेन (पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव) से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, जिसके चलते वह शुरूआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे। धोनी आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं और उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने पांच बार खिताब जीता है। उनके अनुभव की कमी टीम को शुरूआती मैचों में खल सकती है। पिछले सीजन में धोनी ने 13 पारियों में 196 रन बनाए थे, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 135.17 रहा। उन्होंने सीजन में 12 चौके और 12 छक्के लगाए थे, जबकि डेथ ओवर्स में उनका स्ट्राइक रेट 151.72 रहा था। सीएसके की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं। टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भी अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण शुरूआती मैचों से बाहर रहेंगे। वहीं तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं।ऐसे में आईपीएल 2026 की शुरूआत से पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स को कई बड़े झटके लगे हैं, जिससे टीम की रणनीति पर असर पड़ सकता है।

सीएसके की चुनौती और कप्तानी का सवाल

आईपीएल 2026 की शुरूआत से पहले ही तीन मुख्य खिलाड़ियों का चोटिल होना मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग और कप्तान के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। धोनी की जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी कौन संभालेगा और निचले क्रम में फिनिशिंग टच कौन देगा, यह अब एक बड़ा सवाल है। हालांकि, प्रबंधन को उम्मीद है कि धोनी दूसरे हाफ से पहले पूरी तरह फिट होकर 'चेपॉक' के मैदान पर दहाड़ते नजर आएंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि इन झटकों के बाद अब चेन्नई को अपनी बेंच स्ट्रेंथ पर निर्भर रहना होगा। धोनी की गैरमौजूदगी में युवा खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का सुनहरा मौका होगा, लेकिन 'थाला' की कमी को पूरा करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगा।

जर्मनी ने विट्र्ज.के शानदार प्रदर्शन से स्विस टीम को हराया, इंग्लैंड ने ड्रॉ खेला

लंदन। फ्लोरियन विट्र्ज. ने दो गोल किए और दो गोल में मदद की, जिससे जर्मनी ने दो बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए विश्व कप फुटबॉल से पहले के मैत्री मैच में स्विट्जरलैंड को 4-3 से हराया जबकि मिकेल ओयार्जाबल के दो गोल की मदद से स्पेन ने सर्बिया को 3-0 से पराजित किया। अन्य मैचों में बेन व्हाइट ने इंग्लैंड की टीम में वापसी करते हुए गोल किया लेकिन फिर स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी दे दी, जिससे इंग्लैंड ने उरुग्वे के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला, जबकि नीदरलैंड ने एम्स्टर्डम में नॉर्वे को 2-1 से हराया। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल का व्हाइट का चयन करना चौंकाने वाला था, क्योंकि चार साल पहले वह विश्व कप के बीच में ही अपने साथियों को छोड़कर चले गए थे। जब मैच में 21 मिनट बचे हुए थे तब आर्सेनल के डिफेंडर फिकायो टोमोरी की जगह उन्हें मैदान पर उतारा गया। वेम्बली में मौजूद 80,000 दर्शकों में से कुछ ने उनकी हूटिंग भी की। अन्य मैचों में अल्जीरिया ने ग्वाटेमाला को 7-0 से और मिस्त्र ने सऊदी अरब को 4-0 से हराया। मोरक्को ने इक्वाडोर के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला।

नवनीत कौर ने प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर ने हॉकी इंडिया आठवें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला)का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्हें यह सम्मान हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के तहत प्रदान किया गया।

नवनीत कौर के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार गोल किए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुनी गईं। इसके अलावा महिला एशिया कप 2025 में भी नवनीत का प्रदर्शन दमदार रहा, जहां भारत ने रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में उन्होंने छह गोल दागे। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए।

पुरस्कार मिलने के बाद नवनीत कौर ने कहा, इस सम्मान को पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह उपलब्धि मेरी टीम के साथियों के सहयोग और विश्वास के बिना संभव नहीं थी। मैं हॉकी इंडिया का भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जो हर साल इस तरह का मंच उपलब्ध कराता है, जिससे खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है। आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स को लेकर उन्होंने कहा, आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। नेशंस कप, वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट हमारे सामने हैं। हमारा कैंप जल्द शुरू होगा और हम अपनी कमजोरियों पर काम कर टीम के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर नवनीत ने कहा, मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं। अभी तक के प्रदर्शन से संतुष्ट हूं, लेकिन आगे और बेहतर करने की गुंजाइश है। बड़े टूर्नामेंट चार साल में एक बार आते हैं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। आगामी बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए नवनीत कौर पूरी तरह फोकस्ड हैं और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

एजेंसी (हि.स.)
सेंट किट्स

फोटोः हि.स.

सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरूआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े। जॉर्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी।

मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए।

नोवाक जोकोविच ने मोंटेकार्लो मास्टर्स से नाम वापस लिया

मोनाको। नोवाक जोकोविच ने दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भाग न लेने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए लिखा, हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे। इस पोस्ट में 38 वर्षीय जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। एक साल पहले मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी जोकोविच ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

एजेंसी (हि.स.)
मियामी

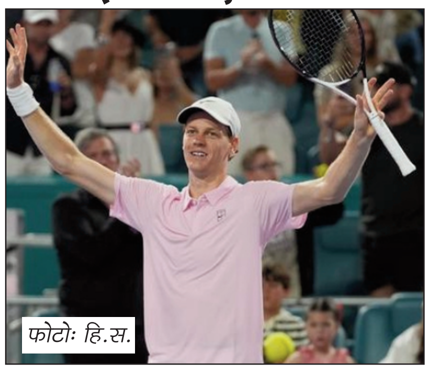
फोटोः हि.स.

मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। 24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी।

विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद सनशाइन डबल(इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा। हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं। महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी सनशाइन डबलपूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी। लेहेका ने मैच के बाद कहा कि वह इस प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा अब देखने को मिल रहा है। वह अपने करियर के तीसरे एटीपी खिताब की तलाश में हैं।

यह फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां अनुभवी और शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर का सामना युवा और आत्मविश्वास से भरे लेहेका से होगा।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा प्रज्ञाननंदा को

एजेंसी (हि.स.)
पाफोस (साइप्रस)

आठ खिलाड़ियों की एलीट प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में भाग ले रहे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा को रविवार से यहां शुरू होने वाले कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का सामना करेगा। इस टूर्नामेंट में आठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जो डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रत्येक खिलाड़ी अन्य सभी प्रतिभागियों का दो बार सामना करेगा और सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी विश्व चैंपियन बनने के लिए गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल करेगा। हाल के प्रदर्शन को देखते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना प्रबल दावेदार नजर आते हैं लेकिन उनके हमवतन हिकारू नाकामुरा का दावा भी मजबूत है जिन्होंने अपनी रेटिंग के आधार पर क्वालीफाई किया है। नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी भी अच्छी फॉर्म में हैं और उन पर नजर रखने की जरूरत है। अगर उनकी लय कायम रहती है, तो वह मजबूत दावेदार साबित होंगे। चीन के वेई यी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव तथा एंड्री एसेपेंको और मैथियास ब्लूबाउम अन्य चार खिलाड़ी हैं जो इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। प्रज्ञाननंदा के लिए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट की तैयारी पूरी तरह से आसान नहीं रही है। हालांकि लंबे और सुनियोजित अवकाश के बाद यह भारतीय खिलाड़ी तरोताजा महसूस कर रहा होगा।

बॉक्स ऑफिस पर छाई 'धुरंधर 2', लगातार तोड़ रही रिकॉर्ड

'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर सुनामी बनकर उभरी है। रणवीर सिंह अभिनीत इस जासूसी एक्शन-थ्रिलर ने रिलीज के महज 9 दिनों के भीतर दुनियाभर में 1,100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है। फिल्म का दबदबा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी कायम है, जहां इसने जवान के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ट्रेड रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को 41.55 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की, जिसके साथ इसका भारत में कुल कलेक्शन 715.72 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म ने पहले ही दिन 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की ओपनिंग लेकर इतिहास रचा था और यह ऐसा करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बन गई। अनुमान है कि दूसरे वीकेंड में भी फिल्म की कमाई 50-50 करोड़ रुपये से ऊपर बनी रह सकती है।

वैश्विक स्तर पर भी फिल्म का जलवा कायम है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, 'धुरंधर 2' ने दुनिया भर में कुल 1,128.99 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। खास बात यह है कि यह मुकाम फिल्म ने खाड़ी देशों में रिलीज हुए बिना ही हासिल किया है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आर माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी समेत कई दमदार कलाकार नजर आए हैं।

वहीं, इसके साथ रिलीज हुई उस्ताद भगत सिंह बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती दिख रही है। पवन कल्याण की इस फिल्म ने 9 दिनों में भारत में केवल 67.97 करोड़ रुपये का कारोबार किया है और 100 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है। 'धुरंधर 2' की जबरदस्त सफलता के बीच इस फिल्म की रफ्तार लगातार धीमी पड़ती नजर आ रही है।

राम चरण के जन्मदिन पर मेगास्टार चिरंजीवी का दरियादिली भरा अंदाज, दान किए लाखों रुपये

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी ने अपने बेटे और ग्लोबल स्टार राम चरण के जन्मदिन को बेहद खास और भावनात्मक तरीके से मनाया। चिरंजीवी ने केवल सोशल मीडिया पर बधाई ही नहीं दी, बल्कि इस अवसर को समाज सेवा से जोड़कर एक नई मिसाल पेश की है। इस मौके पर चिरंजीवी ने अपने बेटे के लिए कुछ तस्वीरें पोस्ट की थी। उनकी बचपन की कुछ फोटोज भी शामिल थी। जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्होंने कैप्शन लिखा- बचपन में मेरा हाथ थामने से लेकर, आज कई लोगों के लिए प्रेरणा बनने तक... आप मुझे सचमुच गर्व महसूस कराते हैं। इसके साथ उन्होंने जन्मदिन को खास मनाने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया।

बेटे के बर्थडे पर डोनेट किए 10 लाख

दरअसल, हाल ही में चिरंजीवी को तेलंगाना सरकार की ओर से प्रतिष्ठित एनटीआर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इसके साथ उन्हें 10 लाख रुपये की नकद राशि भी दी गई थी। चिरंजीवी ने यह पूरी राशि समाज सेवा के लिए दान कर दी। चिरंजीवी ने यह राशि पांच सामाजिक संस्थाओं को दान की, जो समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए काम करती हैं। सबसे पहले उन्होंने सर्व फाउंडेशन को यह पैसे डोनेट किए। इसके लिए चिरंजीवी ने वहां के 30 बुजुर्गों को आमंत्रित किया। ये वही बुजुर्ग हैं, जिन्होंने फिल्म गेम चेंजर की शूटिंग के दौरान राम चरण से मुलाकात की थी। चिरंजीवी ने उन्हें कपड़े भेंट किए और उनके लिए विशेष भोजन का भी आयोजन किया।

नेत्रहीन और अनाथ बच्चों के लिए मदद

मेगास्टार ने देवनार फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड, वाल्मीकि फाउंडेशन और नयाश्री फाउंडेशन को भी आर्थिक सहायता दी। ये संस्थाएं नेत्रहीनों और अनाथ बच्चों के वेलफेयर के लिए काम करती हैं। इसके साथ चिरंजीवी ने बसवतारकम इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल को भी योगदान दिया। यह राशि कैंसर से जूझ रही एक बच्ची के इलाज में मदद के लिए दी गई है। इस तरह चिरंजीवी ने अपने बेटे के जन्मदिन को सिर्फ सेलिब्रेशन तक सीमित न रखते हुए उसे समाज सेवा से जोड़ दिया। एक बार फिर उन्होंने यह साबित किया कि असली खुशी बांटने में है।

थलापति विजय की 'जन नायकन' की रिलीज पर फिर मंडराए संकट के बादल

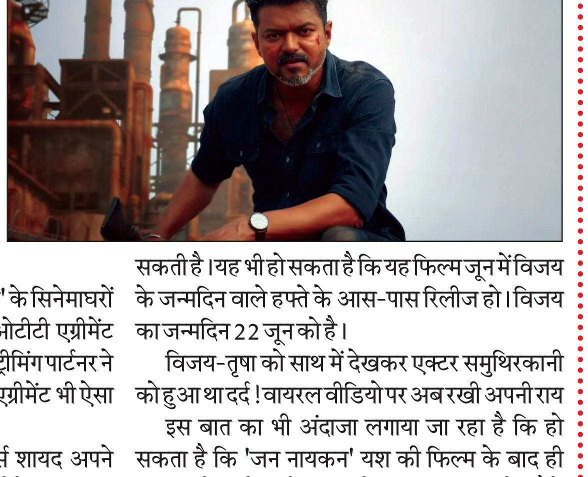

साउथ के मशहूर अभिनेता थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' एक बार फिर चर्चा में है। यह 9 जनवरी, 2026 को रिलीज होने वाली थी। सीबीएफसी से मंजूरी न मिलने की वजह से फिल्म की रिलीज में कई बार देरी हुई है। ऐसा लग रहा है कि फिल्म की रिलीज में एक बार फिर देरी होगी और यह 'टॉक्सिक' के बाद रिलीज होगी। यश की यह फिल्म भी केवीएन प्रोडक्शंस के सपोर्ट से बनी है।

वलाइ पेचु के मुताबिक, 'जन नायकन' के सिनेमाघरों में रिलीज में हो रही देरी की वजह से ओटीटी एग्रीमेंट कैंसिल हो सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि स्ट्रीमिंग पार्टनर ने डील खत्म कर दी है और दूसरे बिजनेस एग्रीमेंट भी ऐसा ही कर सकते हैं।

इस अनिश्चितता की वजह से मेकर्स शायद अपने रिलीज शेड्यूल पर फिर से विचार करेंगे, खासकर इसलिए क्योंकि उनकी दो और फिल्में पहले से ही शेड्यूल हैं। इसे देखते हुए, टीम शायद थलापति विजय की फिल्म की रिलीज को जुलाई 2026 तक टालने का फैसला कर सकती है। यह भी हो सकता है कि यह फिल्म जून में विजय के जन्मदिन वाले हफ्ते के आस-पास रिलीज हो। विजय का जन्मदिन 22 जून को है।

विजय-तृषा को साथ में देखकर एक्टर समुथिरकानी को हुआ था दर्द ! वायरल वीडियो पर अब रखी अपनी राय

इस बात का भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि हो सकता है कि 'जन नायकन' यश की फिल्म के बाद ही रिलीज हो, क्योंकि केवीएन प्रोडक्शंस की फिल्में, जैसे 'केडी: द डेविल', 30 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं 'टॉक्सिक' 4 जून, 2026 को रिलीज होने वाली है।

विजय की आखिरी फिल्म

खबरें हैं कि विजय की फिल्म 'जन नायकन' उनकी आखिरी फिल्म होगी, क्योंकि इसके बाद वह पूरी तरह से अपने पॉलिटिकल करियर पर फोकस करेंगे।

फिल्म की स्टारकास्ट

एच विनोद के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'जन नायकन' में विजय के अलावा, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण, प्रियामणि और सुनील जैसे कलाकार होंगे।

आकाश में तिरंगे की छटा, राज्यपाल कटारिया ने प्रेरणादायक एयर शो का किया अवलोकन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सुखना लेक पर आयोजित एयर शो का अवलोकन कई विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों ने किया, जिनमें पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया अपनी पत्नी श्रीमती अनीता कटारिया के साथ; हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष अपनी पत्नी श्रीमती मित्रा घोष के साथ; पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान अपनी पत्नी श्रीमती गुरप्रीत कौर के साथ; हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अपनी पत्नी श्रीमती सुमन सैनी के साथ; तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू शामिल थे। यू.टी. चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद और पंजाब के मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा सहित चंडीगढ़, पंजाब एवं हरियाणा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भारतीय वायु सेना के ह्यसूर्यकिरण एरोबेटिक डिस्प्ले का अवलोकन किया और बड़ी संख्या में एकत्रित अधिकारियों एवं दर्शकों से बातचीत की। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक विशेष बनाया तथा भारतीय वायु सेना की कौशलता और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति सराहना व्यक्त की।

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने पायलटों के कौशल, अनुशासन और समन्वय की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन भारतीय वायु सेना की पेशेवर दक्षता और उत्कृष्टता को दर्शाता है तथा युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता है। विमानों ने आकाश में तिरंगे के रंगों की धारा छोड़ते हुए देशभक्ति का वातावरण बनाया, जिस पर दर्शकों ने जोरदार तालियों से स्वागत किया। राज्यपाल ने टीम को चंडीगढ़ के लोगों के लिए प्रेरणादायक और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान एरोबेटिक टीम ने रोमांचक हवाई करतबों की श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विमान सुव्यवस्थित और समन्वित पैटर्न में उड़ान भरते हुए उत्कृष्ट टीमवर्क और नियंत्रण का प्रदर्शन कर रहे थे। पायलटों ने क्रॉसिंग, सहज अलगाव, तीव्र ऊर्ध्वाधर चढ़ाई तथा अन्य आकर्षक गतिविधियाँ प्रदर्शित कीं। उन्होंने लूप्स और रोल्स भी किए तथा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में उड़ान भरते हुए अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास दिखाया। पूरा प्रदर्शन जीवंत और मनोरंजक रहा, जिसने दर्शकों को पूरे समय बांधे रखा और सटीकता व टीमवर्क को रेखांकित किया।

श्री कटारिया ने कार्यक्रम के सुचारु आयोजन के लिए आयोजकों और प्रशासन की सराहना की तथा आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। सूर्यकिरण विमान 12 विंग, चंडीगढ़ एयर बेस से संचालित हुए और इससे पहले 25 और 26 जनवरी को सुजानपुर, हिमाचल प्रदेश में दो दिवसीय एयर शो आयोजित कर चुके हैं। 12 विंग के एओसी ने अपनी टीम के साथ नागरिक प्रशासन के सहयोग से इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुखना लेक पर आयोजित दो दिवसीय एयर शो में सूर्यकिरण टीम ने नौ विमानों के साथ सघन गठन में उच्च-स्तरीय एरोबेटिक प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सुबह के समय आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, परिवारों और रक्षा प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

पंचकूला नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों के लिए की अहम बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम पंचकूला द्वारा आज आयुक्त श्री विनय कुमार के निर्देशानुसार सभी सुपरवाइजरों एवं एएसआई की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा आगामी निरीक्षण एवं स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी सुपरवाइजर अपने-अपने वॉर्ड के अंतर्गत आने वाले सभी सेक्टरों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें। नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार द्वारा प्रस्तावित निरीक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सेक्टर में सफाई व्यवस्था पूर्ण रूप से दुरुस्त रखी जाए।

सभी सुपरवाइजरों को उनके दायित्वों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया तथा यह निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के लिए बीट-वाइज रोस्टर (रूट चार्ट) तैयार करें। यदि किसी गली की प्रतिदिन सफाई संभव न हो, तो यह सुनिश्चित किया जाए कि अगले दिन उस गली की सफाई अनिवार्य रूप से हो। इस रोस्टर की जानकारी संबंधित आरडब्ल्यूए एवं सेक्टर निवासियों को भी दी जाए। एएसआई अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे सभी सफाई कर्मचारियों को निर्धारित वर्दी में रखें। जिन कर्मचारियों को फ्लोरोसेंट जैकेट की आवश्यकता हो, उन्हें स्टोर से उपलब्ध करवाई जाए, ताकि निरीक्षण के दौरान सभी कर्मचारी पूर्ण वर्दी में उपस्थित रहें और किसी प्रकार की कमी न रहे। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सभी जीवीपी (गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट्स) को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए तथा जहां ऐसे बिंदु पहले से खत्म किए जा चुके हैं, उनका प्रतिदिन निरीक्षण कर पुनः कचरा एकत्रित न होने दिया जाए। खुले में कचरा डालने वाले व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जाए। यदि कोई व्यक्ति घरों से हॉर्टिकल्चर वेस्ट या अन्य कचरा खुले में डालता हुआ पाया जाता है, तो संबंधित सुपरवाइजर द्वारा नोटिस जारी किया जाए तथा एएसआई द्वारा हरियाणा नगर निगम अधिनियम की धारा 309 के अंतर्गत चालान काटना सुनिश्चित किया जाए। यह बैठक शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं जीवीपी मुक्त बनाने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध हरियाणा सरकार : नरेंद्र सिंह युवा कल्याण संयोजक

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 3 दिवसीय नेचर कैंप थापली भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आज विद्यार्थियों ने निर्धारित ट्रैकिंग गतिविधि को सफलतापूर्वक किया।

इस ट्रैकिंग में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के छात्र-छात्राओं सहित अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति के निकट लाकर उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि ट्रैकिंग जैसी साहसिक गतिविधियां युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना का विकास करती हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, कौशल विकास, खेल एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।

नरेंद्र सिंह ने बताया कि नेचर कैंप थापली के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं और ट्रैकिंग सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझ रहे हैं। डेप्युटी रेंज ऑफिसर विजय नेहरा ने बताया की ट्रैकिंग के दौरान विद्यार्थियों ने प्राकृतिक पगडंडियों पर चलते हुए विभिन्न वनस्पतियों, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों ने प्रकृति के बीच बिताए समय को प्रेरणादायक बताते हुए इसे एक अविस्मरणीय अनुभव कहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने हरियाणा सरकार एवं युवा कल्याण विभाग का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने की इच्छा जताई।

एंडोक्राइनोलॉजी में उत्कृष्टता की विरासत का उत्सव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआई के एंडोक्राइनोलॉजी विभाग ने आज प्रतिष्ठित दो दिवसीय सेमीनार का उद्घाटन किया, जिसका थीम है—गैस्ट्रो-एंटेरो-पैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रमुख विशेषज्ञों, विशिष्ट पूर्व छात्र-छात्राओं तथा संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जो जटिल क्लिनिकल मामलों और एंडोक्राइनोलॉजी के उभरते आयामों पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन पीजीआई के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने प्रेरणादायक संबोधन के साथ किया। उन्होंने पुराने समय के नैदानिक अनुशासन को याद करते हुए कहा कि एक समय हर मरीज को एक संपूर्ण अकादमिक अभ्यास की तरह लिया जाता था, जिससे गहन नैदानिक समझ और आलोचनात्मक सोच विकसित होती थी। आधुनिक युग में उन्नत जांचों के महत्व को स्वीकारते हुए उन्होंने कहा कि एंडोक्राइनोलॉजी की आत्मा आज भी रोकथाम ही है, विशेषकर मधुमेह जैसे तेजी से बढ़ते गैर-संचारी रोगों के संदर्भ में।

व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए प्रो. लाल ने जीवनशैली में बदलाव की उपचारात्मक क्षमता पर प्रकाश डाला और चिकित्सकीय अभ्यास में निवारक स्वास्थ्य सेवा तथा शारीरिक फिटनेस को आधारभूत तत्व बताया। उन्होंने युवा एंडोक्राइनोलॉजिस्ट्स से आग्रह किया कि वे उदाहरण प्रस्तुत करें और संस्थान के संस्थापक दिग्गजों द्वारा स्थापित मूल्यों को आगे बढ़ाएँ। प्रो. आर. जे. दाश और डॉ. गोपाल कृष्ण रस्तोगी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने उन्हें दूरदर्शी अग्रदूत और कर्मयोगी बताया, जिन्होंने पीजीआई में एंडोक्राइनोलॉजी की नींव रखी। उन्होंने प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से उनकी रोगी-सेवा और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति अद्वितीय समर्पण को याद किया और कहा कि उनकी निष्ठा और उत्कृष्टता की खोज का कोई मुकाबला नहीं था। प्रो. लाल ने एंडोक्राइनोलॉजी विभाग की सराहना करते हुए कहा कि अत्यधिक जटिल रोगियों के भारी बोझ के बावजूद विभाग सेवा प्रदान करने में उत्कृष्ट है, और शिकायतों की अनुपस्थिति उनके समर्पण का प्रमाण है।

संक्षिप्त-समाचार

पीजीआई ने राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन किया, 'कायाकल्प पुरस्कार 2025-26' में दूसरा स्थान हासिल किया

चंडीगढ़। पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआई), चंडीगढ़ ने भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई प्रतिष्ठित 'कायाकल्प योजना' के तहत, वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार के अस्पतालों/संस्थानों में दूसरा स्थान हासिल करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने पीजीआई को स्वच्छता, साफ-सफाई, संक्रमण नियंत्रण, अस्पताल के रखरखाव और रोगी-अनुकूल वातावरण बनाए रखने में उच्च मानकों के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए, 1,50,00,000/- रुपये (एक करोड़ पचास लाख रुपये) का प्रोत्साहन अनुदान स्वीकृत किया है। 'कायाकल्प' पहल का उद्देश्य पूरे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण और समग्र रोगी देखभाल वातावरण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। पीजीआई की यह उपलब्धि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और राष्ट्रीय मानकों का पालन करने के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। खुशी व्यक्त करते हुए, पीजीआई के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने कहा, यह उपलब्धि रोगी देखभाल और अस्पताल की स्वच्छता में उत्कृष्टता के प्रति पीजीआई की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करना हमारे पूरे कार्यबल के समर्पण और समन्वित प्रयासों को दशार्ता है, जो हमारे लिए सच्चे 'कर्मयोगी' हैं। हम भविष्य में और भी उच्च मानक हासिल करने के लिए अपनी प्रणालियों को लगातार मजबूत करते रहेंगे। इसी भावना को दोहराते हुए, पीजीआई के उप निदेशक (प्रशासन) श्री पंकज राय ने कहा, 'कायाकल्प' केवल एक पुरस्कार नहीं है, बल्कि गुणवत्ता में निरंतर सुधार की एक यात्रा है। यह सम्मान स्वच्छता और अस्पताल प्रबंधन के उच्च मानकों को बनाए रखने में हमारी प्रशासनिक प्रक्रियाओं, निगरानी तंत्र और कर्मचारियों को जोड़ने की रणनीतियों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। पीजीआई के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. विपिन कौशल ने कहा,यह उपलब्धि एक स्वच्छ और सुरक्षित अस्पताल वातावरण सुनिश्चित करने में नैदानिक टीमों, नर्सिंग स्टाफ और स्वच्छता कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है। संक्रमण नियंत्रण और रोगी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएं बनी हुई हैं, और हम इन मानकों को बनाए रखने तथा उनमें और सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीजीआई स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर लगातार अग्रसर है, और पूरे देश के अन्य संस्थानों के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है।

पंजाब की लेडी गवर्नर अनीता कटारिया का जीआरआईआईडी, चंडीगढ़ का दौरा

चंडीगढ़। पंजाब की माननीय लेडी गवर्नर श्रीमती अनीता कटारिया ने आज गवर्नमेंट रिहैबिलिटेशन इंस्टीट्यूट फॉर इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटीज चंडीगढ़ का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान माननीय लेडी गवर्नर ने बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों के साथ आत्मीय समय बिताया। उन्होंने बच्चों से स्नेहपूर्वक संवाद करते हुए उनके प्रयासों एवं प्रतिभा की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के बीच मिठाइयाँ एवं फल वितरित किए, जिससे वातावरण अत्यंत आनंदमय एवं उत्साहपूर्ण बन गया। माननीय लेडी गवर्नर ने संस्थान में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं पुनर्वास सेवाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने शिक्षकों एवं स्टाफ से संवाद कर बच्चों के लिए संचालित शैक्षिक, चिकित्सीय एवं व्यावसायिक कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्थान के संकाय एवं कर्मचारियों द्वारा बच्चों के समग्र विकास हेतु किए जा रहे समर्पित, संवेदनशील एवं अथक प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर श्री मंदीप सिंह बराड़, गृह एवं हेल्थ सचिव भी उपस्थित रहे।

कायाकल्प पुरस्कार 2025-26 में पीजीआईएमईआर ने दूसरा स्थान हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया गौरव

चंडीगढ़। पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च चंडीगढ़ ने कायाकल्प योजना के अंतर्गत वर्ष 2025झ्26 में केंद्रीय सरकारी अस्पतालों/संस्थानों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वच्छता, हाइजीन, संक्रमण नियंत्रण, अस्पताल रखरखाव तथा रोगी-अनुकूल वातावरण बनाए रखने में पीजीआईएमईआर के निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देते हुए संस्थान को रुपये 1,50,00,000/- (एक करोड़ पचास लाख रुपये) की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। कायाकल्प पहल का उद्देश्य देशभर के सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण तथा समग्र रोगी देखभाल वातावरण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। पीजीआईएमईआर की यह उपलब्धि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने और राष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करने की संस्थान की सतत प्रतिबद्धता को दशार्ती है। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए प्रो. विवेक लाल, निदेशक, पीजीआई ने कहा, यह उपलब्धि रोगी देखभाल और अस्पताल स्वच्छता में पीजीआईएमईआर की उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करना हमारे संपूर्ण कार्यबल की निष्ठा और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है, जो हमारे लिए वास्तविक कर्मयोगी हैं। हम अपने सिस्टम को और अधिक सुदृढ़ बनाते रहेंगे ताकि भविष्य में और ऊँचे मानक स्थापित कर सकें। उसी भावना को दोहराते हुए श्री पंकज राय, उपनिदेशक (प्रशासन), पीजीआई ने कहा, कायकल्प केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि सतत गुणवत्ता सुधार की यात्रा है। यह मान्यता हमारे प्रशासनिक प्रक्रियाओं, मॉनिटरिंग तंत्र और स्टाफ की भागीदारी रणनीतियों की प्रभावशीलता को दशार्ती है, जिन्होंने स्वच्छता और अस्पताल प्रबंधन के उच्च मानकों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रो. विपिन कौशल, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, पीजीआई ने कहा, यह उपलब्धि स्वच्छ और सुरक्षित अस्पताल वातावरण सुनिश्चित करने में क्लिनिकल टीमों, नर्सिंग स्टाफ और सफाई कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। संक्रमण नियंत्रण और रोगी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं, और हम इन मानकों को बनाए रखने तथा और अधिक उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीजीआईएमईआर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर निरंतर अग्रसर है और देशभर के संस्थानों के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है।

चंडीगढ़ में पीएनजी को स्वैच्छिक रूप में बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों का मंथन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

उपायुक्त, यूटी चंडीगढ़ की अध्यक्षता में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स (आरडब्ल्यूए) तथा होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन्स के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को एक स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक ईंधन के रूप में अपनाने को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि चंडीगढ़ में वर्तमान में लगभग 3.08 लाख एलपीजी कनेक्शन तथा लगभग 22,000 पीएनजी कनेक्शन हैं। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क का क्रियान्वयन इंडियन ऑयल अदानी गैस लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जिसने कई सेक्टरों में आधारभूत संरचना स्थापित कर ली है, जो शहर के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से को कवर करती है। इसके बावजूद पीएनजी का उपयोग अभी सीमित है।

उपायुक्त ने पीएनजी के उपयोग को तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए इसके सुरक्षा, निरंतर आपूर्ति, किफायती होने तथा पर्यावरण के अनुकूल होने जैसे लाभों को रेखांकित किया।

घर-घर जागरूकता अभियान: जिन सेक्टरों में पीएनजी की आधारभूत संरचना उपलब्ध है, वहां केंद्रित जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि निवासियों को जानकारी दी जा सके और मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा प्रदान की जा सके। निकट भविष्य में पीएनजी कनेक्शनों की संख्या 22,000 से बढ़ाकर 1 लाख करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उपायुक्त ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अगले एक सप्ताह तक समूह आवासीय सोसायटियों में प्रतिदिन दो शिविर आयोजित करें, ताकि निवासियों की समस्याओं का समाधान करते हुए उन्हें एलपीजी से पीएनजी में स्थानांतरित होने के लिए प्रेरित किया जा सके।

वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों का कवरेज: होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे तथा बड़े ईंधन उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। सीजीडी एजेंसी को सभी वाणिज्यिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों को कवर करने हेतु आधारभूत संरचना विस्तार में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

आधारभूत संरचना का विस्तार: नगर निगम चंडीगढ़ एवं इंजीनियरिंग विभाग को पाइपलाइन बिछाने हेतु स्वीकृतियों को शीघ्रता से प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शेष सेक्टरों में समयबद्ध तरीके से विस्तार सुनिश्चित किया जा सके।

हितधारक सहभागिता: आरडब्ल्यूए एवं स्थानीय प्रतिनिधियों को निवासियों को एलपीजी से पीएनजी में स्थानांतरित होने के लिए प्रेरित करने में सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा, जिससे जन-जागरूकता एवं विश्वास में वृद्धि होगी।

उपायुक्त ने सीजीडी एजेंसी को यह भी निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में आधारभूत संरचना उपलब्ध है, वहां एक सप्ताह के भीतर पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं। सभी हितधारकों से इस पहल को सफल बनाने तथा शहर में पीएनजी के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने हेतु सक्रिय सहयोग की अपील की गई।

मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत वैकल्पिक फसलों की बुआई करने पर दिया बल

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार द्वारा मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान की फसल को वैकल्पिक फसलों जैसे कपास, मक्का, अरहर, मुंग, मोठ, उड़द, सोयाबीन, ग्वार, तिल, अरण्डी, मुंगफली, फल व सब्जियां, खरीफ प्याज, खरीफ चारा व कृषि वानिकी (सफेदा व पोप्लर) द्वारा विविधिकरण करने के लिए जिला में 1500 एकड का लक्ष्य दिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सयुक्त निदेशक श्री सुरेंद्र यादव ने बताया कि किसान अपने पिछले वर्ष बोये गए धान के क्षेत्र को उपरलिखित वैकल्पिक फसलों में बदल सकता है। वर्ष 2025 से पहले किसान द्वारा पंजीकरण करने के पश्चात मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर सत्यापन उपरांत किसान को 7000 रुपए प्रति एकड़ की दर से वित्तिय सहायता प्रदान की जाती थी जोकि इस वितीय वर्ष से 8000 रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है और डी0बी0टी0 के तहत किसान के खाते में जमा कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि स्कीम के तहत किसान द्वारा पिछले वर्ष बोई गई धान के खेत को खरीफ 2025 में खाली रखने पर भी वित्तिय सहायता प्रदान की जाएगी। उक्त योजना का लाभ लेने के लिए किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यदि उपरलिखित वैकल्पिक फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है तो उक्त फसलों की 100 प्रतिशत खरीद हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी। उन्होंने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा कि भूमिगत जल के संरक्षण हेतू धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलें बोने के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाएं व अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि/बागवानी कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

तीसरी रस्तोगी-डैश क्लिनिकल केस कॉन्फ्रेंस में एंडोक्राइनोलॉजी में बेहतरीन काम की विरासत का जश्न मनाया गया

रोकथाम एंडोक्राइनोलॉजी की आत्मा है; लाइफस्टाइल पहला नुस्खा है: प्रो. विवेक लाल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के एंडोक्राइनोलॉजी डिपार्टमेंट ने आज गैस्ट्रो-एंटरो-पैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर थीम पर आधारित दो दिन की मशहूर तीसरी रस्तोगी-डैश क्लिनिकल केस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। यह कॉन्फ्रेंस जाने-माने नेशनल और इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स, जाने-माने पुराने स्टूडेंट्स और फैकल्टी को मुश्किल क्लिनिकल केस और एंडोक्राइनोलॉजी में नई तरक्की पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाती है। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन पीजीआई के डायरेक्टर प्रो. विवेक लाल ने किया, जिन्होंने एक प्रेरणा देने वाला भाषण दिया। पहले के समय की क्लिनिकल सख्ती पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि हर मरीज का इलाज एक पूरी एकेडमिक एक्सरसाइज की तरह किया जाता था, जिससे गहरी डायग्नोस्टिक समझ और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा मिलता था। आज के समय की जरूरत पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि जहाँ एडवांस्ड जाँच मॉडर्न एंडोक्राइनोलॉजी को बताती हैं, वहीं बचाव इसकी आत्मा है, खासकर डायबिटीज जैसी नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों के बढ़ते बोझ से निपटने में।

अपने निजी अनुभव से, प्रो. लाल ने बीमारियों को ठीक करने में लाइफस्टाइल में बदलाव की काबिलियत पर जोर दिया और मेडिकल प्रैक्टिस के लिए प्रिवेंटिव हेल्थकेयर और फिजिकल फिटनेस को जरूरी बताया। उन्होंने युवा एंडोक्राइनोलॉजिस्ट से मिसाल कायम करने और इंस्टीट्यूट के संस्थापकों द्वारा बनाए गए मूल्यों को बनाए रखने की अपील की। मशहूर प्रो. आर. जे. दाश और डॉ. गोपाल कृष्ण रस्तोगी को श्रद्धांजलि देते हुए, प्रो. लाल ने उन्हें दूर की सोचने वाले पायनियर और कर्मयोगी बताया जिन्होंने पीजीआई में एंडोक्राइनोलॉजी की नींव रखी। उनके बेमिसाल डेडिकेशन पर बात करते हुए, उन्होंने मरीजों की देखभाल और पढ़ाई के प्रति उनके कमिटमेंट को दिखाते हुए कुछ दिलचस्प किस्से शेयर किए, और कहा कि उनके डेडिकेशन और बेहतरीन काम की तलाश के आस-पास भी कुछ नहीं था।

प्रो. लाल ने एंडोक्राइनोलॉजी डिपार्टमेंट की भी तारीफ की, जिन्होंने मुश्किल केस के बहुत ज्यादा लोड को मैनेज करने के बावजूद बहुत अच्छी सर्विस दी। उन्होंने इस बात की तारीफ की कि कोई शिकायत नहीं आई। उन्होंने एंडोक्राइन डिसऑर्डर के तेजी से बढ़ते बोझ को देखते हुए फैकल्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगातार इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट का भरोसा दिया। इससे पहले, एंडोक्राइनोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड प्रो. संजय भदादा ने आए हुए मेहमानों का स्वागत किया और कॉन्फ्रेंस के लिए एकेडमिक माहौल बनाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रस्तोगी-डैश क्लिनिकल केस कॉन्फ्रेंस एक नेशनल लेवल पर सम्मानित एकेडमिक प्लेटफॉर्म बन गया है, जो ढक्र्त्एफकी रिच क्लिनिकल परंपरा को बनाए रखता है, जहाँ पेशेंट-सेंट्रिक लर्निंग सबसे जरूरी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कॉन्फ्रेंस को खास तौर पर पूरी तरह से केस-बेस्ड फोरम के तौर पर डिजाइन किया गया है, जो एनालिटिकल सोच, खुली बातचीत और पीयर लर्निंग को बढ़ावा देता है, जहाँ सबसे अनुभवी डॉक्टर भी सीखने वालों के तौर पर हिस्सा लेते हैं।

प्रो. भदादा ने इस बात पर जोर दिया कि इस साल की थीम गैस्ट्रो-एंटरो-पैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर इस फील्ड में बढ़ती क्लिनिकल मुश्किलों और डायग्नोस्टिक चुनौतियों को दिखाती है। उन्होंने कहा कि इस तरह की फोकस्ड बातचीत बदलते सबूतों, मल्टीडिसिप्लिनरी केयर और असल दुनिया की क्लिनिकल प्रैक्टिस के बीच की दूरी को कम करने के लिए जरूरी है।

गर्व और सोच-विचार के पल में, सीनियर दिग्गजों डॉ. आर. वी. जयकुमार और डॉ. एस. मूर्ति को एंडोक्राइनोलॉजी में उनके शानदार योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिए गए। डॉ. गोपाल कृष्ण रस्तोगी और प्रो. आर. जे. दाश की जीवन यात्रा और हमेशा रहने वाली विरासत को दिखाने वाला एक खास सेगमेंट दर्शकों के दिलों में उतर गया, जिसमें डॉक्टरों और शिक्षाविदों की पीढ़ियों पर उनके गहरे असर का जश्न मनाया गया।